जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, गुरुवार 27 मार्च, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव

अन्त्योदय कल्याण समारोह

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

27 मार्च, 2025 | अपराह्न 12:00 बजे | पुलिस परेड ग्राउंड, भरतपुर

हस्तांतरण / वितरण / शुभारम्भ

- 92 हजार निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपए का हस्तांतरण
- डांग, मगरा एवं मेवात क्षेत्रीय योजना हेतु 300 करोड़ रुपए
- दिव्यांगजनों को पावर ड्रिवन व्हील चेयर एवं असिस्टिव डिवाइस
- 20 हजार परिवारों को स्वामित्व कार्ड योजना में पट्टा वितरण
- माटी कलाकारों को विद्युत चालित चाक वितरण
- ग्रामीण विकास का नया ई-वर्क पोर्टल 2.0 एवं मोबाइल एप

योजनाओं के दिशा निर्देश

- पं. दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त ग्राम योजना
- दादू दयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना
- दिव्यांगजनों हेतु समान अवसर नीति का विमोचन
- एमएलए लैड योजना के तहत विधायक जन सुनवाई केंद्र
- पी.एम. सूर्यघर मुफ्त बिजली में 150 यूनिट मुफ्त बिजली
- MAA योजना के तहत न्यू पैकेज एवं मा नेत्र वाउचर योजना
- गुरू गोलवलकर आशान्वित ब्लॉक विकास योजना

पुलिस के 150 नए वाहनों की रवानगी

27 मार्च, 2025 | जवाहर सर्किल, जयपुर

अन्त्योदय कल्याण - खुशहाल राजस्थान

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

जीवनोपयोगी मसालों में मिलावट: सेहत और स्वाद से खिलवाड़

मसालों का हमारी रसोई में महत्वपूर्ण स्थान है। मसाले खाने को जायकेदार बना देते हैं। इनके बिना स्वाद का मजा नहीं लिया जा सकता। यह स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत फायदेमंद होते है। मसालों का उपयोग केवल खानपान तक सीमित नहीं है अपितु यह हमारे स्वास्थ्य, रोजगार और अर्थव्यवस्था के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। विशेषकर हमारे देश भारत में ये अपने अनूठे स्वाद के साथ औषधीय गुणों के कारण पसंद किए जाते हैं। मसालों की खेती से जहां किसानों को आय मिलती है वहीं देश को विदेशी मुद्रा का अर्जन भी होता है। इसलिए मसालों का उत्पादन और उपयोग दोनों ही हमारे लिए बहुत लाभकारी हैं।

आज खाने-पीने की चीजों में हो रही मिलावट से मसाले भी अछूते नहीं रहे हैं। मसालों में मिलावट का मामला बढ़ता जा रहा है। मिलावटखोर घटिया मसाले बेचकर मुनाफा कमाते हैं, जिससे कैंसर, पेट दर्द और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ता है। सब्जियों को स्वादिष्ट बनाने के लिए ब्रांडेड से लेकर खुदरा बिकने वाले मसाले में धड़ल्ले से मिलावट का खेल चल रहा है। आम आदमी महंगाई के साथ खाद्य पदार्थो में हो रही मिलावट खोरी से खासा परेशान रहता है। हमारे बीच यह धारणा पुख्ता बनती जा रही है कि बाजार में मिलने वाली हर चीज में कुछ न कुछ मिलावट जरूर है। लोगों की यह चिंता बेबुनियाद नहीं है। आज मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर ही पड़ रहा है। खाने-पीने के पदार्थो में मिलावट कोई नयी समस्या नहीं है। मिलावट और खराब उत्पाद बेचे जाने की खबरें आम हो चुकी हैं। साल-दर-साल इसका दायरा व्यापक होता जा रहा है। मसालों में मिलावट की खबर से हर देशवासी हैरान और परेशान है। सबसे ज्यादा मिलावट मसालों में हो रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि हल्दी और लाल मिर्च पाउडर के अंदर कई केमिकल की मिलावट हो सकती है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों के मुताबिक मिलावटी मसाले पूरे शरीर में जहर घोल रहे हैं। कोई भी खाद्य पदार्थ खून से होते हुए अलग अलग जगह पोषण देता है। ये मसाले लिवर और किडनी को खराब कर सकते हैं और कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं। डॉक्टर के अनुसार भारत में बहुत सारे मसाले मिलावटी होते हैं। कहना है कि कुटे हुए मसालों में आर्टिफिशियल कलर, स्टार्च, चॉक पाउडर और अन्य चीजों की मिलावट हो सकती है। इनका सेवन करने से स्किन एलर्जी, लिवर डिसऑर्डर और कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए भारत में खुले कूटे हुए मसालों की बिक्री बैन है। मगर फिर भी गली-मोहल्ले और दुकानों पर इन्हें धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। काली मिर्च में पपीते का बीज, लाल मिर्च में रंग वाला पाउडर और ईंट पीस कर मिला देते हैं। धनिया पाउडर में तरह-तरह की मिलावट करते हैं। हल्दी में पीला रंग मिला देते हैं और जीरा में झाड़ू वाला जीरा मिला देते हैं। गलियों में फेरी लगाने वाले सस्ता और मिलावटी मसाला सरेआम बेच रहे है। सस्ते के धोखे में हमारी रसोई में मिलावटी मसाले पहुंचते देर नहीं लगती। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक काली मिर्च में पपीते के बीजों को सुखाकर मिलाया जाता है। अगर इसकी जांच आप आसानी से कर सकते हैं। काली मिर्च को कूट लें, अगर हाथ में तेल नजर आता है तो यह असली है। इसी भांति दालचीनी के नाम पर चाइनीज कासिया बेचा जाता है। दालचीनी की खुशबू काफी तेज होती है। दालचीनी पाउडर पर आयोडीन की बूंदे डाले अगर वह पाउडर नीला हो जाए तो वह मिलावटी है। हल्दी में मिलावट की जाती है तो कहीं लाल मिर्च और काली मिर्च मिलावटी बेची जाती है। इसी तरह मिलावटी जीरा भी बाजार में धड़ल्ले से बिक रहा है। जीरा की मिलावट जानने के लिए हथेली पर किए जाने वाले टेस्ट के बारे में बताया है। इस टेस्ट को करने के लिए जीरा को हथेली पर रखकर मलें। अगर हथेली पर कालिख नजर आने लगे या फिर भूसा छूटकर हथेली पर चिपक जाए तो यह जीरा मिलावटी है। अगर जीरा को रगड़ने पर हथेली एकदम साफ नजर आए तो इसका मतलब है कि जीरा में किसी तरह की मिलावट नहीं की गई है।

आज मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर ही पड़ रहा है। संपूर्ण देश में मिलावटी खाद्य-पदार्थों की भरमार हो गई है। सच तो यह है अधिक मुनाफा कमाने के लालच में नामी कंपनियों से लेकर खोमचे वालों तक ने उपभोक्ताओं के हितों को ताख पर रख दिया है। अगर कोई इन्हें खाकर बीमार पड़ जाता है तो हालत और भी खराब है, क्योंकि जीवनरक्षक दवाइयाँ भी नकली ही बिक रही हैं।

मिलावट का अर्थ है महँगी चीजों में सस्ती चीज का मिलावट। मुनाफाखोरी करने वाले लोग रातोंरात धनवान बनने का सपना देखते हैं। अपना यह सपना साकार करने के लिए वे बिना सोचे-समझे मिलावट का सहारा लेते हैं। सस्ती चीजों का मिश्रण कर सामान को मिलावटी कर महंगे दामों में बेचकर लोगों को न केवल धोखा दिया जाता है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी किया जाता है। मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से प्रतिवर्ष हजारों लोग विभिन्न बीमारियों का शिकार होकर जीवन से हाथ धो बैठते हैं। मिलावट का धंधा हर तरफ देखने को मिल रहा है। दूध बेचने और मिलावट करने वाले से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक ने मिलावट के बाजार पर अपना कब्जा कर लिया है।

आज मिलावट का कहर सबसे ज्यादा हमारी रोजमर्रा की जरूरत की चीजों पर ही पड़ रहा है। संपूर्ण देश में मिलावटी खाद्य-पदार्थों की भरमार हो गई है। आजकल नकली दूध, नकली घी, नकली तेल, नकली चायपत्ती आदि सब कुछ धड़ल्ले से बिक रहा है। सच तो यह है अधिक मुनाफा कमाने के लालच में नामी कंपनियों से लेकर खोमचे वालों तक ने उपभोक्ताओं के हितों को ताख पर रख दिया है। अगर कोई इन्हें खाकर बीमार पड़ जाता है तो हालत और भी खराब है, क्योंकि जीवनरक्षक दवाइयाँ भी नकली ही बिक रही हैं।

सामान्य तौर पर एक परिवार अपनी आमदनी का लगभग 60 फीसदी भाग खाद्य पदार्थों पर खर्च करता है। खाद्य अपमिश्रण से अंधापन, लकवा तथा टयूमर जैसी खतरनाक बीमारियाँ हो सकती हैं। सामान्यत रोजमर्रा जिन्दगी में उपभोग करने वाले खाद्य पदार्थों जैसे दूध, छाछ, शहद, हल्दी, मिर्च, पाउडर, धनिया, घीं, खाद्य तेल, चाय-कॉफी, मसाले, मावा, आटा आदि में मिलावट की सम्भावना अधिक है। मिलावट एक संगीन अपराध है। मिलावट पर काबू नहीं पाया गया तो यह ऐसा रोग बनता जा रहा कि समाज को ही निगल जाएगा। मिलावट के आतंक को रोकने के लिए सरकार को जन भागीदारी से सख्त कदम उठाने होंगे।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल गुरूवार 27 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 12:34 तक, साध्य योग प्रातः 9:25 तक, गर करण दिन 12:23 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा रात्रि 11:04 से आरम्भ होगी। आज प्रदोष व्रत है। आज वारुणी पर्व सूर्योदय से सूर्यास्त तक है। आज मास शिवरात्रि पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: सूर्योदय से 8:23 तक, चर 11:14 से 12:40 तक, लाभ-अमृत 12:40 से 3:31 तक, शुभ 4:57 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:38

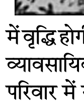

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

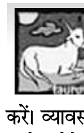

वृष

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक यात्रा संभव है। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कर्क

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

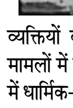

सिंह

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

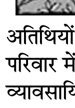

धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

राजस्थान दिवस : ''ई रो इतिहास मंडूयोड़ो रेतां में, ई रो भविष्य रचोड़ूयो हेतां में''

राजेन्द्र मोहन शर्मा

राजस्थान के वैभवशाली अतीत, बेहतर वर्तमान और उन्नत भविष्य का आइना है राजस्थान दिवस । राजस्थान के युवा ऊर्जावान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इसे राजस्थान उत्सव में ढाल कर स्मृतियों को संजोने और भविष्य को संवारने का बेहतरीन काम किया है। यूं तो राजस्थान का नाम ही पर्याप्त है सूर वीरों की अन्तहीन गाथाओं के लिए की गूंज सुनने के लिए लेकिन विकट भौगोलिक परिस्थितियों से जूझकर रजवाड़ों की राजशाही से मुक्ति पा कर पानी की बूंद-बूंद को तरसे यहां के वाशिंदे आज हरियल्ो राजस्थान का जश्न मना रहे हैं तो यह हैरतअंगेज कारनामा ही कहा जाएगा। यहां रेत के धोरे सोने की तरह चमकते हैं, उन्हीं रेतीले टीलों का सीना चीरती राजस्थान नहर अपने साथ पानी ही खुशहाली और हरियाली साथ लेकर आई। राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों से लेकर भजनलाल सरकार तक ने विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य तथा रोजगार का जो काम किया है वह है राज्य की निरन्तरता का प्रतीक।

स्वतंत्रता के साथ 15 अगस्त 1947 को जब देश आगे बढ़ा तब देश में अलग-अलग राज्यों के गठन का काम आरम्भ हुआ। मध्य पश्चिमी हिन्दुस्तान में कई राजाओं की रियासतें थी। इन्ही रियासतों का एकीकरण करके आरम्भ में वृहत राजस्थान संघ की स्थापना की गई, जिसे आरम्भ में राजपुताना के नाम से भी जाना जाता था। राजस्थान का एकीकरण सात चरणों में पूरा हुआ और 30 मार्च 1949 को अंतिम रूप दिया गया था । अन्य राज्यों की तरह ही राजस्थान के एकीकरण में सरदार वल्लभ भाई पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बस तभी से हर वर्ष 30 मार्च को राजस्थान का स्थापना दिवस मनाया जाता है। आज 30 मार्च 2025 को को यह सुखद संयोग बना है जब चैत्र मास की प्रतिपदा पर नवसंवत्सर के अवसर जब बासंन्ती नवरात्र स्थापना के साथ राजस्थान भी अपनी 76 वीं सालगिरह मना रहा है जो गणगौर, ईद और चेटीचंड जैसे मनोहारी त्यौहारों से भी गुंथा हुआ है।।इस पावन मौके पर राजस्थान के सभी नागरिकों को बहुत बहुत हार्दिक बधाई।

राजस्थान के नामकरण के पीछे एक दिलचस्प कहानी है। आजादी से पहले यहां अलग-अलग रियासतें थी, जिनमें अलग-अलग शासक थे। राजपरिवारों की अपनी परम्पराएं थी और उनका शासन वंशानुगत चल रहा था। आजादी के बाद जब देश में लोकतांत्रिक शासन लागू हुआ तो राजाओं का शासन चला गया और शासन जनता के जरिए तय होने लगा। चूंकि यह स्थान पहले राजाओं का स्थान रहा था बस इसी कारण इस 'राज' का विस्तार कर इस प्रदेश का नाम राजस्थान रख कर रजवाड़ों में राज्य में विलयीकरण हेतु एकता स्थापित की गई।

राजस्थान अपने अनोखे किलों और महलों, बावड़ियों और हवेलियों के कारण विशेष प्रसिद्धि है। राजाओं ने अपने राज्य की सुरक्षा और अपने वैभव को जताने की प्रबल इच्छा के कारण राजस्थान में कई किले बनाए। इनमें किलों की संख्या लगभग 30 हैं जिनमें जयपुर का आमेर और जयगढ़ किला, जोधपुर का मेहरानगढ़ किला, राजसमंद का कुम्भलगढ़ किला, सवाई माधोपुर का रणथम्भोर किला, बीकानेर का जूनागढ़ किला, भरतपुर का लोहागढ़ किला विश्वभर में अपनी विशेष पहचान रखते हैं। अन्य किलों और महलों में गागरौन किला, जैसलमेर, सिरोही का अचलगढ़, नागौर का अहिछत्रगढ़, जालौर दुर्ग, सिरोही का खिमसर किला, अवलर का निमराणा, सवाईमाधोपुर का किला, सिटी पैलेस आदि भी प्रसिद्ध हैं।इन अभेद्य किलों के साथ रानियों के रहने के लिए आलीशान महल भी बने हुए हैं। ये किले राजस्थान की धरोहर तो हैं ही साथ ही पर्यटकों के विशेष आकर्षण का केन्द्र और पर्यटन के माध्यम से आय का स्त्रोत है। आज देश का लगभग दस प्रतिशत भूभाग राजस्थान में है। इसी आधार पर भूभाग की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राजस्थान का कुल क्षेत्रफल 3 लाख 42 हजार 239 वर्ग किलोमीटर में फैला है तथा लगभग एक हजार किलोमीटर का इलाका पाकिस्तान से सटा है।

राजस्थान की अपनी आन, बान और शान रही है। अपनी शौर्य गाथाओं के कारण राजस्थान देश में अपनी विशेष पहचान रखता है। महाराणा प्रताप महाराणा सांगा, चंद्र सेन राव और महाराजा सूरजमल सहित सैंकड़ों ऐसे राजा रहे हैं जिनकी शौर्य गाथाएं विश्वभर में प्रसिद्ध है। इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने राजस्थान को यूरोप के थर्मापोली की संज्ञा दी थी। जैसे थर्मापोली में पग पग पर वीरता की कहानियां हैं रची हैं उसी तरह राजस्थान में बहुत वीर यौद्धा हुए हैं, यहां पग-पग पर रणबांकुरे अपनी जान हथेली पर रखकर दुश्मन को खेत किये रहते थे जिनके कारण ही इसे थर्मापोली कहा जाता है। राजस्थान का बड़ा भू-भाग रेगिस्तान है। यहां भारत की सबसे पुरानी पर्वतमाला अरावली है।

पर्यटन की दृष्टि से राजस्थान दुनिया में अपनी विशेष पहचान रखता है। यहां दर्जनों ऐसे पर्यटन स्थल है, जहां रोजाना हजारों की संख्या में देशी विदेशी पर्यटक भ्रमण के लिए आते हैं। साथ ही धोरों की धरती जैसलमेर की भी अपनी विशेष पहचान है, जहां हिचकौले खाते पर्यटक ऊंटों की सवारी का आनन्द लेते देखे जा सकते हैं। झीलों की नगरी उदयपुर हो या पिंक सिटी जयपुर, पर्यटन की दृष्टि से यहां कई दर्शनीय स्थान हैं। कल के विराट इतिहास से अधिक जरूरी है आज के राजस्थान पर चर्चा । विश्व प्रसिद्ध काले बेलिया नृत्य की अपेक्षा आज के युवाओं के रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल और बिजली जैसे मुद्दों पर चर्चा करने की। रोजगार निश्चय ही विकट समस्या है लेकिन जब हम देश के दूसरे हिस्सों पर नजर डालते हैं तो खुद को थोड़ा बेहतर पाते हैं बस लेकिन इस पर संतोष व्यक्त नही कर सकते। पिछले कुछ वर्षों में भर्तियों में जैसे घोटाले हुए वे निराशाजनक थे। मौजूदा भजनलाल सरकार ने उनसे सबक लेकर अब तक अच्छे से काम किया है भर्ती प्रक्रिया के प्रति अब जाकर थोड़ा सा विश्वास जागा है जनमानस में उम्मीद है राज्य सरकार आगे बढ़ कर स्वर्णिम इतिहास रचेगी। पीने के पानी की समस्या गर्मी के तेवरों के आगे हर बार विकराल हो जाती है इससे निजात पाने का संकल्प मूर्त होना चाहिए। ठाामीण क्षेत्रों में पलायन रोकने के लिए निकटवर्ती क्षेत्रों में ने शहरों का नक्शा साकार होना चाहिए। विज्ञान शिक्षा पर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। सरकारी स्कूल कालेजों को शनै शनै सरकारी पंजे से मुक्त कर स्वतन्त्र सोच वाले संस्थान बनाने की जरूरत है। साथ ही राजस्थान को हिलमिल कर सद्भाव और साहचर्य के नए मार्ग प्रशस्त करनै की जरूरत है।

इस मौके पर मुझे वरिष्ठ साहित्यकार वेदव्यास की यह कविता याद आ रही है –

अमन और चैन की धरती, विजय-बलिदान की धरती, ये राजस्थान है।

यहां हर द्वार पर श्रम का सवेरा मुस्कराता है।

नये निर्माण का सपना सृजन के गीत गाता है।।

यहां हर जिंदगी में जागरण का भोर आया है।

नये विश्वास ने सहकार से जीना सिखाया है।। ये राजस्थान है।

यहां हर खेत और खलिहान नवयुग की कहानी है।

चढ़ाने के लिए निज रक्त आतुर हर जवानी है।।

यहां कल कारखानों में अतुल फौलाद ढलता है।

नये मरूदेश में विश्वास का सूरज निकलता है।। ये राजस्थान है।

यहां गांधी-जवाहर ने नई मंजिल बताई है।

हमारी चेतना सद्भाव के पुष्कर नहाई है।।

यहां इंसान में इंसानियत का पुण्य पलता है।

नये अभियान का जय गीत कंठों में मचलता है।।

समय सम्मान की धरती नई पहचान की धरती। ये राजस्थान है।

और मैं इस लेख का अन्त वरिष्ठ कवि दार्शनिक मित्र कृष्ण कल्पित की कविता से कर रहा हूं –

अब भी चलती हैं धूल भरी आँधियाँ।

दृश्य को अस्त-व्यस्त करती जगह बदलती है रेत।।

अब भी टहलती है भेड़ सबसे ऊँचे धोरे पर।

हिलती है उसकी पूँछ चाँद को छूती हुई।।

तपते सूरज को अपने वक्ष पर झेलती है।

एक औरत– यह रेगिस्तान अब भी एक औरत की तरह प्यार करने के क़ाबिल है।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद् और चिन्तक

राजस्थान में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समग्र विकास के सशक्त केंद्र बन रहे हैं ''पीएमश्री विद्यालय''

जयपुर। नई शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत विकसित विद्यालय, जहां नवाचार, तकनीक और संस्कार के साथ उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है, वह है पीएमश्री विद्यालय। भारत सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में पीएमश्री विद्यालय (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया) योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के अंतर्गत देशभर में ऐसे उत्कृष्ट विद्यालय विकसित किए जा रहे हैं, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकरणीय विद्यालय के रूप में विकसित केंद्र बनें।

राजस्थान में भी पीएमश्री विद्यालय योजना शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय जोड़ रही है। पीएम श्री स्कूल में 21वीं सदी के कौशल को विकसित करने पर जोर दिया जाता है, जिसमें संवैधानिक मूल्य, भारत का ज्ञान आलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, डिजिटल साक्षरता और प्रभावी संचार जैसे कौशल शामिल हैं, ताकि छात्र आधुनिक दुनिया के लिए तैयार हो सकें। साथ ही पीएम श्री स्कूलों में, शिक्षा को बेहतर बनाने और बच्चों के लिए एक समावेशी वातावरण बनाने के लिए, आवश्यक संसाधन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। ग्रीन स्कूल अवधारणा को यथार्थ रूप देने के लिए सौलर पैनल, किचन गार्डन स्थापित किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों व शिक्षकों में नवाचार, विचार व उद्यिमता को बढ़ाने के लिए वर्कशॉप, बूट कैम्प आदि का आयोजन किया जाता है। प्रधानाचार्य व शिक्षकों को राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी संस्थानों में प्रशिक्षित किया जाता है।

पढ़ाई-लिखाई तक सीमित नहीं हैं पीएमश्री विद्यालय : पीएमश्री विद्यालय केवल पढ़ाई-लिखाई तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यहां विद्यार्थियों को नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल,पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और संस्कारों की भी शिक्षा दी जाती है। विद्यार्थियों को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञों द्वारा परामर्श प्रदान किया जाता है। पढ़ाई के साथ-साथ आधुनिक तकनीक, सांस्कृतिक धरोहर, वैभवशाली इतिहास की जानकारी एक्सपोजर विजिट के माध्यम से रोचक तरीके से प्रदान की जाती है। प्रदेश के ग्रामीण और शहरी

अनुपमा जोरवाल

क्षेत्रों में चयनित विद्यालयों को अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर अनुकरणीय विद्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है। ये विद्यालय स्मार्ट क्लासरूम, आईसीटी लैब्स, अटल लैब्स, अत्याधुनिक विज्ञान और गणित प्रयोगशालाएं, समृद्ध पुस्तकालय, खेलकूद के मैदान और डिजिटल लर्निंग जैसे संसाधनों से परिपूर्ण हैं ताकि ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों के बच्चों को भी उत्कृष्ट और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ हो सके। राजस्थान में भी पीएमश्री विद्यालय योजना शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय जोड़ रही है। इसका उद्देश्य ऐसे विद्यार्थी तैयार करना है, जो कि 21 वीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार रहे तथा प्रत्येक विद्यार्थी आत्मनिर्भर बनकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए।

पीएम श्री स्कूलों का चयन ''चैलेंज मोड'' के माध्यम से होता है :-राजकीय विद्यालयों की भौतिक अवसंरचना, नामांकन, पृथक-पृथक शौचालय, स्टॉफ की उपलब्धता आदि कुछ न्यूनतम अर्हताओं वाले विद्यालयों का यूडाइस डेटा के आधार पर विद्यालयों का चयन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बैंचमार्क विद्यालय के रूप में किया जाता है। बैंचमार्क विद्यालयों द्वारा पीएमश्री पोर्टल पर योजना में चयन हेतु आवेदन किए जाते हैं। पीएम श्री स्कूलों का चयन ''चैलेंज मोड'' या पारदर्शी चुनौतीपूर्ण पद्धित के माध्यम से होता है। शहरी क्षेत्र के 70 प्रतिशत व ग्रामीण क्षेत्र में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त विद्यालयों का जिला नोडल अधिकारी द्वारा सत्यापन उपरांत राज्य स्तर पर अनुमोदन पश्चात् अंतिम चयन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

प्रदेश में फिलहाल 639 पीएमश्री विद्यालय :-वर्तमान में राज्य में 639 पीएमश्री विद्यालय संचालित हैं। पीएमश्री योजना में आवेदन की अंतिम तिथि को फिलहाल बढ़ाकर 27 मार्च कर दिया गया है। चयन के लिए राज्य के पात्र बेंचमार्क विद्यालयों द्वारा ऑनलाइन आवेदन किया जा रहा है। जिला नोडल अधिकारी द्वारा सत्यापन करने की अंतिम तिथि 28 मार्च है। अंतिम चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाएगा।

अनुपमा जोरवाल, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, का कहना है कि पीएमश्री योजना में चयन के लिए प्रदेश के बैंचमार्क विद्यालयों द्वारा पीएमश्री पोर्टल पर आवेदन किया जा रहा है। आवेदन उपरांत जिला नोडल अधिकारी द्वारा सत्यापन एवं तत्पश्चात राज्य स्तर पर सत्यापन किया जाएगा। अंतिम चयन शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया जाना है। पीएमश्री योजना में आवेदन की अंतिम तिथि 27 मार्च है।

प्रागपुरा में मिल्क पाउडर व वनस्पति तेल से बनाया जा रहा मावा पकड़ा

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने करीब 715 किलो मावा नष्ट करवाया

पावटा, (निसं)। खाद्य पदार्थों में मिलावट थमने का नाम नहीं ले रही है। बेखौफ होकर मिलावटखोर सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। मिलावट रोकने के लिए सिंजारे व गणगौर पर्व को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटपुतली बहरोड़ डॉ. आशीष सिंह शेखावत के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने बुधवार सुबह प्रागपुरा कस्बे के ढाणी बड़ीयाला की में हिमांशु मावा एंड मिष्ठान भंडार व ग्राम मंढा में उनके कारखाने पर बड़ी कार्रवाई की, जहां मिल्क पाउडर व वनस्पति तेल से मावा बनाया जा रहा था। मौके पर ही खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मिलावटी मावा मौके पर ही नष्ट करवाया।

सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह ने बताया कि मिलावटी मावा, दूध, वनस्पति का एक-एक नमूना लिया है। अग्रिम आदेश तक मावा बनाने पर पाबंदी लगाई गई है। जानकारी के अनुसार शाम चार बजे प्रशासन के आदेशों पर पुलिस ने सील सहित ताले को तोड़कर गेट खुलवाया, जहां निरीक्षण के दौरान प्रागपुरा कस्बे के ढाणी बड़ीयाली में हिमांशु मावा एंड मिष्ठान भंडार के मालिक दाताराम सैनी

खाद्य सुरक्षा टीम ने कार्यवाही कर मिल्क पाउडर व वनस्पति तेल से बना मावा पकड़ा।

के 175 किलो स्कीम्ड मिल्क पाउडर, 30 खाली पीपे वनस्पति के, तीन कैनों में करीब 35 किलो वनस्पति, 40 किलो मावा ज्यो कि मिलावटी दूध से तैयार किया हुआ।

वहीं ग्राम मंढा स्थित फैक्ट्री पर मिलावटी दूध से तैयार किया हुआ कोल्ड स्टोरेज में 20- 20 किलो के पैकेट व एक थाल में करीब 70 किलो व एक थाल में 5 किलो मावा मावा टोटल करीब 675 किलो मावा मिला, जिसे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटपुतली-बहरोड़ डॉ. आशीष सिंह शेखावत, बीसीएमएचओ कृष्ण सिंह, प्रागपुरा थाना पुलिस, खाद्य सुरक्षा अधिकारी शशिकांत शर्मा, नेहा शर्मा की मौजूदगी में नष्ट करवाया गया।

भामाशाह राकेश पूनिया ने भूमि दान की

सादुलपुर, (निसं)। राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान राजगढ़ को भवन निर्माण के लिए भामाशाह राकेश पूनियां ने बालाजी कॉलोनी राजगढ़ में 754 वर्ग गज जमीन दान की है।

भूमि दान करने पर भामाशाह राकेश पूनियां का आभार जताया है। संस्थान के अध्यक्ष मांगेराम पुलिस उप निरीक्षक ने बताया कि राजस्थान सेवानिवृत पुलिस कल्याण संस्थान राजगढ़ का रजिस्ट्रेशन वर्ष 1997-98 में किया हुआ है तथा इसी के आधार पर संपूर्ण सेवानिवृत पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों ने जिला स्तर पर संगठन गठित करने की प्रक्रिया करते हुए समस्त राजस्थान में जिलावार संगठन का विस्तार करने हेतु जिला की जिम्मेदारी जिला अध्यक्षों को दी गई। संगठन को सक्रिय बनाने के लिए तहसील वार भी शाखाएं गठित की गई। इस संगठन के संपूर्ण राज्य के संरक्षक सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक जसवंत संपतराम है तथा प्रदेश महासचिव सुखदेव ब्यास है। इसी क्रम में शाखा तहसील राजगढ़ जिला चूरू में जिला अध्यक्ष चूरु द्वारा मांगेराम जांगिड़ पुलिस उप निरीक्षक को नियुक्त किया। जिसके द्वारा दिनांक 22 मार्च 2०22 को संगठन का गठन कर तहसील उपखंड शाखा राजगढ की समय-समय पर प्राइवेट भवन में मीटिंग की जाती रही है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू
Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 327 प्रभात चूरू, गुरुवार 27 मार्च, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'किसान सिर्फ खेती नहीं करते, वे जीवन की नींव रखते हैं'

मु.मंत्री भजनलाल ने बीकानेर में आयोजित किसान सम्मेलन को किसानों के सम्मान को समर्पित बताया

- मुख्यमंत्री ने ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बैलों से खेती करने पर जोर दिया और इसके लिए तीस हज़ार रूपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।
- किसान सम्मेलन एवं एफ.पी.ओ. कार्यक्रम में तीस हज़ार किसानों को 137 करोड़ रूपए का अनुदान हस्तांतरित किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीकानेर में राजस्थान दिवस समारोह के तहत आयोजित किसान सम्मेलन एवं किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने 30 हजार किसानों को 137 करोड़ रूपये का अनुदान, हस्तान्तरण किया।

बीकानेर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्नदाता किसान देश एवं प्रदेश की आत्मा है, अगर किसान विकसित होगा तो देश-प्रदेश विकसित एवं खुशहाल होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का सपना सिर्फ कृषि विकास ही नहीं कृषि गौरव है। हम चाहते हैं कि राजस्थान का किसान देश में ही नहीं, बल्कि दुनियां भर में आदर्श बने। उन्होंने किसानों का आव्हान किया कि वे किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) से जुड़ें, जिससे वे लाभ की खेती कर खुद को सशक्त बना सकें।

शर्मा बुधवार को बीकानेर में राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला के तहत आयोजित किसान सम्मेलन एवं किसान उत्पादक संगठन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों के सम्मान को समर्पित है। उन्होंने कहा, किसान सिर्फ खेती नहीं करते, वे जीवन की नींव रखते हैं। आज बीकानेर में हुए किसान सम्मेलन एवं एफपीओ कार्यक्रम में 30 हजार किसानों को 137 करोड़ रूपये का अनुदान, हस्तान्तरण किया गया। ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए बैलों से खेती किये जाने पर 30 हजार रु. की प्रोत्साहन राशि के दिशा-निर्देश जारी किए गए। पीएमएफएमई योजना के तीन एफपीओ को अनुदान के तथा एक एफपीओ को शेयर मनी के चैक वितरण किए गए। उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा 10 हजार एफ.पी.ओ. का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत राज्य में 72 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का हस्तान्तरण, लगभग 47 लाख किसानों को 29 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि उन्होंने खेती का हर काम किया है तथा वे किसानों की समस्या को भलीभांति समझते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गहलोत सिर्फ ट्विटर पर ही एक्टिव रहते हैं

बीकानेर, 26 मार्च (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ट्विटर पर सक्रियता व पूर्व वादों को लेकर गहलोत पर जमकर तंज कसा। मुख्यमंत्री ने गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि हमारे पूर्व मुख्यमंत्री ट्विटर पर सक्रिय रहते हैं लेकिन विधानसभा में एक दिन भी नहीं आये। वे दिनभर ट्विटर पर चलते हैं और सुर्खियों में रहना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री बीकानेर की एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- सिर्फ सोशल मीडिया

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने किसान सम्मेलन में कहा, गहलोत एक बार भी विधानसभा में नहीं आए।

पर सक्रिय रहने से जनता के दुख-दर्द कम नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत ट्वीट करने से पहले अपने पांच साल की सरकार के कामों को देख लें।

इस पर गहलोत ने पलटवार करते हुए एक्स पर लिखा कि आज मुख्यमंत्री ने एक सरकारी कार्यक्रम में जनता की शिकायत बताने वाले और सरकार की कमियां उजागर करने वाले मेरे ट्वीट पर टिप्पणी की है।

मुख्यमंत्री जी, मैं आपको लगभग ढाई साल पुराना आपका ट्वीट याद दिलाना चाहता हूं, जिसमें आपने कांग्रेस सरकार से बाजरे की एमएसपी पर खरीद की मांग की थी और विरोध जताया था।

अमेरिका से आयातित सामान पर भारत, टैरिफ आधा करने को तैयार

इस टैरिफ में कमी से 23 अरब डॉलर का नुकसान होगा भारत को, पर, भारत से अमेरिका को निर्यात, जिसकी कीमत 66 अरब डॉलर आंकी जाती है, सुरक्षित रहने की आशा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। अमेरिका के रेसिप्रोकल टैरिफ (जो जितना टैरिफ लगाएगा अमेरिका भी उस पर उतना ही टैरिफ लगाएगा) जो 2 अप्रैल 2025 से लागू होने जा रहा है, के प्रभाव को कम करने के लिए भारत सरकार आधे से ज्यादा अमेरिकन आयात पर टैरिफ घटाने का विचार कर रही है। इस कदम का उद्देश्य अमेरिका को हो रहे भारत के 66 अरब डॉलर के निर्यात को रैसिप्रोकल टैरिफ की मार से बचाना है। लेकिन प्रस्तावित कटौती इस बात पर निर्भर है कि अमेरिका अपने सुनियोजित करों से कितनी राहत देता है। प्रमुख उद्योगों जैसे फार्मास्युटिकल्स और ऑटो मोबाइल्स को इस समय काफी खतरा है, हालांकि कुछ कृषि उत्पादों की कटौती से राहत दी जा सकती है।

- सबसे पहले भारत, इलैक्ट्रिक वाहनों की बैट्री के निर्माण में आवश्यक सामान पर टैरिफ बहुत कम करना चाहता है, जिससे स्थानीय उद्योगपतियों व निर्माताओं का माल विदेशों में मार्केट किया जा सके।
- सरकार द्वारा किये गये आंकलन के अनुसार, भारत का अमेरिका को एक्सपोर्ट का 87 प्रतिशत हिस्सा, अमेरिका द्वारा प्रस्तावित टैरिफ से प्रभावित होगा। अतः, भारत सरकार अमेरिका से आयातित माल पर टैरिफ में 5 से 30 प्रतिशत की कमी कर सकती है।

यह कदम अगले सप्ताह से लागू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पहुँची पुलिस

स्टोर रूम व आसपास की जगह सील कर दी गई है

- सुप्रीम कोर्ट की जाँच कमेटी के आग्रह पर दिल्ली पुलिस ने यह कार्यवाही की है।
- सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा के घर नकदी मिलने के मामले में दायर जनहित याचिका पर तुरंत सुनवाई से मना कर दिया।

नई दिल्ली, 26 मार्च। दिल्ली पुलिस ने जस्टिस यशवंत वर्मा के घर पहुंचकर उनके स्टोर रूम और आसपास की जगह सील कर दी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि डीसीपी नई दिल्ली देवेश कुमार महला अपनी टीम के साथ घटना वाली जगह पर पहुंचे। आग लगने वाली जगह को जांच कमेटी के कहने पर सील किया है। दिल्ली पुलिस ने स्टोर रूम और आसपास की जगह का दौरा किया।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी घर से कथित तौर पर आधी जली हुई नकदी मिलने के मामले में लगी याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिका में इस मामले में दिल्ली पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ से वकील मैथ्यूज जे नेदुम्परा ने आग्रह किया कि याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए, क्योंकि यह व्यापक जनहित से संबंधित है। इस पर सीजेआई ने कहा कि याचिका पर सुनवाई होगी। वकील ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने सराहनीय काम किया है, लेकिन एफआईआर की जरूरत है। इस पर सीजेआई ने कहा, सार्वजनिक बयान न दें।

मामले में एक महिला और सह-याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर ऐसा मामला किसी आम नागरिक के खिलाफ होता तो सीबीआई और ईडी जैसी कई जांच एजेंसियां उसके पीछे लग जातीं। सीजेआई ने कहा, यह काफी है। याचिका पर उसी के अनुसार सुनवाई होगी। नेदुम्परा और तीन अन्य लोगों ने रविवार को एक याचिका दायर कर पुलिस को मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की है।

कथित नकदी की बरामदगी 14 मार्च को रात करीब 11.35 बजे जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित आवास में आग लगने के बाद हुई। मौके पर अग्निशमन अधिकारी पहुंचे थे। विवाद के मद्देनजर, सर्वोच्च न्यायालय के कोलीजियम ने न्यायमूर्ति वर्मा को उनके पैतृक इलाहाबाद उच्च न्यायालय वापस भेजने की सिफारिश की। 22 मार्च को सीजेआई ने आरोपों की आंतरिक जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया और घटना में दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की जांच रिपोर्ट अपलोड करने का फैसला किया।

पेपर लीक केस, तृतीय श्रेणी अध्यापक राजेन्द्र यादव सस्पैंड

जयपुर, 26 मार्च। कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा 2020 में पेपर लीक करने के मामले में तृतीय श्रेणी अध्यापक को शिक्षा विभाग ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। आरोपी जब शहीद मेजर दिग्विजय सिंह सुमाल राजकीय उच्च माध्यमिक खातीपुरा में तैनात था, तब उसने पेपर आउट किया था। आरोपी जगदीश

- आरोपी जगदीश विश्नोई गैंग का सदस्य था तथा कई परीक्षाओं के पेपर लीक में लिप्त था।

विश्नाई गैंग का सक्रिय सदस्य है। एसओजी ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की थी और अभी वह न्यायिक अभिरक्षा में है।

राजेन्द्र कुमार यादव मेजर दिग्विजय सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, खातीपुरा, जयपुर में अध्यापक के पद पर कार्यरत था। पंकज चौधरी उर्फ यूनिक भाम्बू व जगदीश विश्नोई के साथ संगठित गिरोह में शामिल होकर राजेन्द्र यादव प्रतियोगी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यायालय कुछ भी कहते रहें, ''बुलडोज़र न्याय'' का चलन बढ़ ही रहा है, घट नहीं रहा

राजनीतिक नेतृत्व को इस बात की ज्यादा परवाह नहीं लगती कि सुप्रीम कोर्ट की बुलडोज़र जस्टिस के बारे में क्या गाइडलाइन्स हैं

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। सर्वोच्च न्यायालय ने चार महीने पहले ''न्याय से परे के ध्वस्तीकरण (एक्स्ट्रा-जुडिशियल डिमॉलिशंस) को गैरकानूनी घोषित कर दिया था, तथा म्यूनिसिपल अधिकारियों के लिये गाइडलाइन जारी कर दी थीं, जिन्हें भवन गिराने की कार्यवाही करने से पहले ध्यान में रखना अनिवार्य था, इसके बावजूद, ''बुलडोजर जस्टिस'' यथावत एवं अक्षुण्य रुप से जारी है। पिछले सोमवार को, नागपुर म्यूनिसिपल अधिकारियों ने फहीम खान नामक व्यक्ति के घर के कुछ हिस्सों को बुलडोजर से ढहा दिया। यह व्यक्ति 17 मार्च को शहर में हुये दंगों का आरोपी है। इस घटना के कुछ घंटे बाद, बम्बई उच्च न्यायालय ने मकान गिराये जाने पर स्टे दे दिया तथा उस क्षेत्र के अन्य मकानों को ध्वस्त करने प्रक्रिया रोकने के आदेश जारी कर दिये। इससे

- उत्तर प्रदेश के मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ ने ''बुलडोज़र जस्टिस'' के पक्ष में कहा, ''कुछ लोगों के लिए जरूरी होता है, उनको उसी भाषा में बताया जाए, जो वे समझते हैं।

पहले 23 फरवरी को, महाराष्ट्र के सिंधदुर्ग जिले में एक मकान ढहा दिया गया था। इस घटना को भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच के दौरान ''भारत-विरोधी नारे'' लगाये जाने के दण्ड के रुप में देखा गया था। किताबुल्ला-हमीदुल्ला ने सर्वोच्च न्यायालय पहुँच कर, अदालत के 13 नवम्बर के आदेश की मानहानि का आरोप लगाया था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रकरण में सोमवार को नोटिस जारी करके, सम्बंधित अधिकारियों से जवाब माँगा है।

''हयूमन राइट्स ग्रुप एम्निस्टी इन्टरनैशनल'' के अनुसार, आप-शासित पंजाब के अलावा, चार भाजपा -शासित राज्यों में, सर्वोच्च न्यायालय के 13 नवम्बर के आदेश के बाद, 128 भवन ध्वस्त किये जा चुके हैं। उल्लेखनीय है कि उक्त आदेश में अपराधों के आरोपियों के घरों को मनमर्जी से गिरा देना निषिद्ध करार दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन बिल्कुल स्पष्ट हैं: ध्वस्तीकरण की कार्यवाही से पहले, सम्बंधित व्यक्ति को मकान गिराये जाने की तारीख से 15 दिन पहले ''कारण बताओ'' नोटिस दिया जायेगा, तथा इसके बाद प्रभावित पक्ष को अपील के लिये 15 दिन का समय और दिया जायेगा। अदालत ने यह भी आदेश दिया था कि अगर ध्वस्तीकरण होना ही हो, तो उसकी वीडियो-रिकॉर्डिंग म्यूनिसिपल कमिश्नर के समक्ष पेश की जायेगी तथा उसे सार्वजनिक किया जायेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि ये गाइडलाइन सड़क, फुटपाथ या जल-भंडारण तंत्रों, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बने अनधिकृत मकानों के मामले में लागू नहीं होंगी। अदालत द्वारा आदेशित ध्वस्तीकरण के मामलों में भी ये गाइडलाइन लागू नहीं होंगी। लेकिन जैसा इस मामले में हुआ है, राज्य सरकारें बुलडोजर कार्यवाही करने में इन्हीं छूटों का सहारा ले रही हैं।

ध्वस्तीकरण निषेध की सर्वोच्च न्यायालय की गाइडलाइन्स को लेकर राजनेताओं का चिन्तित होना अनावश्यक प्रतीत नहीं हो रहा है। ''बुलडोजर कार्यवाही'' के बचाव में, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज कहा कि ''कुछ लोगों से निबटने के लिये उसी तरीके की जरुरत होती है, जिसे वे समझते हैं।.....

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान हाई कोर्ट में चार नए जज नियुक्त

जयपुर, 26 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट को चार नए न्यायाधीश मिल गए हैं। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की ओर से गत दिनों आनंद शर्मा, सुनील बेनीवाल, मुकेश राजपुरोहित ओर संदीप शाह के नामों की भेजी सिफारिश को केन्द्र सरकार ने मान लिया है। वहीं, राष्ट्रपति भवन से इनके नियुक्ति वारंट भी जारी

- सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने चार जजों की नियुक्ति की सिफारिश की थी, जिसे केन्द्र सरकार ने मान लिया है।

कर दिए गये हैं। राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्य पीठ, जोधपुर में जल्दी ही इनकी ओर से शपथ ली जाएगी। राजस्थान हाईकोर्ट में फिलहाल 34 न्यायाधीश नियुक्त हैं। वहीं, इन चारों के शपथ लेने के बाद न्यायाधीशों की संख्या बढकर 38 हो जाएगी, हालांकि हाईकोर्ट में जजों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सदा से वित्तीय संयम का पाठ पढ़ाने वाले अमीर देशों की इस मुद्दे पर हालत काफी चिंताजनक है

ये तथाकथित अमीर देश, अपने ऋणों पर जो ब्याज दे रहे हैं, वो उनके रक्षा बजट से भी ज्यादा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 मार्च। द ऑर्गजाइज़ेशन ऑफ इकोनॉमिक कोऑपरेशन एण्ड डवलपमैंट (ओ.ई.सी.डी.) ने 2025 के लिए अपनी वैश्विक कर्ज़ सर्वे रिपोर्ट जारी की है, जो विकास और आय के स्पैक्ट्रम में देशों की कुल कर्ज़ की स्थिति को लेकर एक गंभीर तस्वीर पेश करती है।

इसमें कई सच्चाइयाँ सामने आई हैं, जिनमें उन देशों के लिए भी महत्वपूर्ण जानकारी है, जो पारंपरिक रूप से इस बात के लिए जाने जाते हैं कि सरकार का खर्च सीमा में हो और ऋणभार ज्यादा बढ़े।

ओ.ई.जी.डी., जिसे समृद्ध देशों का क्लब कहा जाता है, ने यह खुलासा किया है कि यूरोप के अत्यधिक विकसित देश अपने बकाया कर्जो का भुगतान करने के लिए अपने वार्षिक रक्षा बजट से अधिक खर्चा कर रहे हैं। स्पष्ट रुप से यह उस बात को रेखांकित करता है, जो अमरीकियों ने बहुत कठोर शब्दों में उनसे कही थी कि ये देश खुद की रक्षा करने के लिए पर्याप्त खर्च नहीं कर पा रहे हैं और अमेरिका पर जिम्मेवारी डाल रहे हैं कि वो दुश्मन के आक्रमणों से उन्हें बचाए।

- यह भी एक कारण है कि वे रूस के सामने अपनी सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हैं, क्योंकि, जैसा कि ट्रंप की शिकायत है, इन देशों की आदत पड़ गई है कि उनकी सुरक्षा का आर्थिक भार तो अमेरिका वहन कर ही लेगा। अतः, उनकी सेना की स्थिति काफी कमज़ोर है, रूस की तुलना में।
- ये सभी तथ्य, ऑर्गजाइज़ेशन ऑफ इकोनॉमिक कोऑपरेशन एण्ड डवलपमैंट (ओ.ई.सी.डी.) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में लिखे हैं।
- उन्नत देशों का अन्तरर्राष्ट्रीय ऋण 17 ट्रिलियन डॉलर हो गया है, 2025 में, जबकि 2023 में यह ऋण 14 ट्रिलियन डॉलर ही था। दूसरी ओर विकासशील देशों का ऋण 2024 में कुल तीन ट्रिलियन डॉलर ही था।
- पर, यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार के ऋण कभी अदा नहीं होते तथा पुराने ऋण की सर्विस के लिये नये ऋण ले लिये जाते है, कुछ और बढ़ी हुई ब्याज दर पर।
- और, इस प्रकार ऋण पर ब्याज का भार बढ़ता ही रहता है। परन्तु, भारत के ऋण की स्थिति इतनी गंभीर नहीं है, अब तक।

इस आर्थिक संकेतक से ही यह बात समझ में आती है कि जब आक्रामक रुस उनके दरवाजे पर पहुँच गया है और अमेरिका ने उनके रक्षा बिलों का भुगतान करने से इन्कार कर दिया है, तो यूरोपीय देश कितना असहाय महसूस कर रहे हैं।

फिर भी दूसरों को उपदेश देने की आदत आसानी से नहीं जाती। ओ.ई.सी.डी. रिपोर्ट ने विकसित देशों के साथ -साथ तथाकथित उभरती अर्थव्यवस्थाओं और विकसित देशों की कर्ज़ प्रोफाइल का भी विश्लेषण किया है। महामारी के बाद, अपनी अर्थव्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए दिए गए कृत्रिम प्रोत्साहनों के कारण विकसित देशों के कर्ज़ से जी.डी.पी. अनुपात बहुत ऊँचे स्तर पर पहुँच गया है।

वैसे, जब हम उभरती अर्थव्यवस्थाओं और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा को जान से मारने की धमकी

जयपुर, 26 मार्च। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा को बुधवार देर शाम को जयपुर सेंट्रल जेल से जान से मारने की धमकी मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी में सामने आया है कि एक बदमाश ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर बैरवा

- पता चला है कि जयपुर सैंट्रल जेल से किसी बदमाश ने जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को फोन कर धमकी दी।

को मारने की धमकी दी है। इसके बाद, जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम तैनात ड्यूटी ऑफिसर ने धमकी भरा फोन आने की सूचना पुलिस के आलाधिकारी को दी। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम इंचार्ज ने जिस नंबर से फोन आया, उस मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की गई। मोबाइल की लोकेशन जयपुर सेंट्रल जेल आई। पूर्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पांच हजार लोगों से 21 करोड़ रुपए की ठगी, आठ जने गिरफ्तार

लोगों को बड़ी गाड़ी और लग्जरी लाइफ के सपने दिखाते थे, आरोपियों से पूछताछ जारी

- क्रिप्टो करेंसी और फॉरेक्स ट्रेडिंग में ज्यादा रिटर्न का लालच दिया था
- ठग आलीशान होटलों में पार्टी ऑर्गेनाइज करते थे, वहां वे आम लोगों को बुलाते थे
- कुछ स्पेशल गेस्ट को बुलाकर लोगों को दिखाते थे कि उन्होंने मोटी कमाई की है

श्रीगंगानगर, (निसं)। क्रिप्टो करेंसी और फॉरेक्स ट्रेडिंग में ज्यादा रिटर्न का लालच देकर पांच हजार लोगों से 21 करोड़ रुपए की ठगी कर लेने का मामला सामने आया है। ठग आलीशान होटलों में पार्टी ऑर्गेनाइज करते थे, वहां वे आम लोगों को इनवाइट करते थे। कुछ स्पेशल गेस्ट को बुलाकर इन लोगों को दिखाते थे कि उन्होंने मोटी कमाई की है। वे लोगों को बड़ी गाड़ी और लग्जरी लाइफ के सपने दिखाते थे। श्रीगंगानगर की सदर थाना पुलिस ने ठगी करने वाले गिरोह के आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक लग्जरी कार, लैपटॉप और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। मामले में कई और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सदर पुलिस ने मुखबिर नेटवर्क से मिली सूचना पर सेक्टर-17 में दबिश दी। एक सफारी गाड़ी से मुख्य आरोपी सतपाल सहित अन्य को पकड़ा। एक लैपटॉप, 9 मोबाइल फोन और टाटा सफारी कार जब्त की गई। पुलिस डिजिटल डेटा खंगाल रही है। आरोपियों के खिलाफ सदर थाना में मामला दर्ज किया गया है। एसपी गौरव यादव ने बताया कि क्रिप्टो करेंसी और फॉरेक्स ट्रेड को मल्टी लेवल मार्केटिंग से जोड़कर डेढ़ साल में 5 हजार लोगों से 21 करोड़ रुपए की ठगी की गई। आरोपियों ने करीब डेढ़ साल से कंपनी चला रखी थी। पूछताछ में यह आंकड़ा और बढ़ सकता है।

एसपी गौरव यादव ने बताया कि आरोपी लैपटॉप और मोबाइल से फॉरेक्स ट्रेडिंग व क्रिप्टो करेंसी में मोटे रिटर्न का भरोसा देकर लोगों को कम से कम 300 डॉलर का निवेश करने के लिए लिंक भेजते थे। मुख्य आरोपी सतपाल ने वेबसाइट डिजाइन करवाई। बिना अनुज्ञा पत्र (परमिशन लेटर) के फर्जी तरीके से डोमेन रजिस्टर कर अलग-अलग बैंक खातों में राशि मंगवाई जाती थी। आरोपी निवेशकों की आईडी पर बिना अनुमति काम करते थे। पार्टियों में कथित मुनाफा कमाने वालों को दिखाकर लोगों को फंसाया जाता था।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए शातिर लोगों ने एक बड़े एक्सपर्ट से वेबसाइट इस तरीके से डिजाइन करवाई, जिससे देखने में यह ओरिजिनल लगती थी। एक्सपर्ट को शातिर युवकों ने एक शपथ पत्र भी दे रखा था, जिस पर इन्होंने खुद इस वेबसाइट को ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल करने की बात कही थी। वेबसाइट से भोले-भाले लोगों का पैसा इन्वेस्ट करवाते थे। पुलिस ने सतपाल (32) पुत्र ओमप्रकाश, निवासी रासूवाला, तहसील संगरिया, हनुमानगढ़, राजेन्द्र कुमार (30) पुत्र सोहनलाल, निवासी रासूवाला, थाना संगरिया, हनुमानगढ़, राहुल वर्मा (23) पुत्र रामनारायण, निवासी खोथावाली, थाना गोलूवाला, हनुमानगढ़, नितिन कुमार (33) पुत्र मदनलाल, निवासी बठिंडा, हाल किरायेदार श्रीगंगानगर, सोहनलाल (42) पुत्र ईशराराम निवासी करड़वाली थाना मुकलावा श्रीगंगानगर, गोपालराम (54) पुत्र जोराराम निवासी जवाहरनगर श्रीगंगानगर, इन्द्रपाल (32) पुत्र बनवारीलाल निवासी गुलाबीबाग, श्रीगंगानगर, कलवंत वर्मा (20) पुत्र श्योपतराम, निवासी ढाणी गोलूवाला, हनुमानगढ़ को गिरफ्तार किया है।

ग्राम विकास अधिकारी और सरपंच पति को रिश्वत लेते दबोचा

- प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ दिलवाने की एवज में 10 हजार रुपए मांगे

जयपुर। एसीबी चौकी बून्दी इकाई द्वारा बुधवार को ग्राम विकास अधिकारी और सरपंच पति को छह हजार रुपए की रिश्वत लेते अरेस्ट किया है। पीड़ित से आरोपी प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ दिलवाने की एवज में 10 हजार रुपए मांग रहे थे।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी बून्दी को एक शिकायत इस आशय की मिली कि आरोपियों द्वारा परिवादी से प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ दिलवाने की एवज में 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर परिवादी को परेशान किया जा रहा है। 25 मार्च को सत्यापन के दौरान आरोपी मुखराज गुर्जर सरपंच पति ने 2000 रुपए प्राप्त कर लिए थे, जिस पर एसीबी चौकी बून्दी के उप अधीक्षक हरीश भारती ने ट्रेप की कार्रवाई कर आरोपी मुखराज निवासी रूणीजा बूंदी हाल सरपंच पति ग्राम पंचायत रूणीजा, पंचायत समिति हिण्डोली जिला बूंदी एवं किशन गोपाल निवासी काशीर थाना देवली जिला टोंक हाल ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत रूणिजा पंचायत समिति हिण्डोली बून्दी द्वारा परिवादी से 6000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपियों से पूछताछ तथा कार्रवाई जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

दो बच्चियां तालाब में डूबी, एक की मौत

- दूसरी बच्ची को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रैफर किया

सरवाड़, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम रघुनाथपुरा के पास बड़गांव में बुधवार को खेलते समय दो बच्चियां तालाब में डूब गई। वहीं हादसे में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी बच्ची को प्राथमिक उपचार के बाद अजमेर रैफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार बड़गांव निवासी लाला उर्फ कुलदीप मेवाड़ा की पुत्री नैंसी तीन वर्षीय एवं मुकेश साहू की पुत्री तीन वर्षीय बच्ची खेलते-खेलते समय अचानक तालाब में गिर गई। एकाएक हुए घटनाक्रम से मौके पर हड़कंप मच गया।

मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों बच्चियों को तालाब से बाहर निकाला। लेकिन नैंसी की मौके पर ही मौत हो गई वहीं दूसरी बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अजमेर रैफर कर दिया गया। घटना का पता चलते ही गांव में कोहराम मच गया। वहीं परिवारजनों को रो -रो बुरा हाल है। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई गई।

भूपेंद्र यादव के आवास पर पहुंचे जेपी नड्डा, भजनलाल शर्मा

- भूपेंद्र यादव के पिता कदमसिंह यादव की 13वीं पर आयोजित पगड़ी रस्म में शामिल हुये

अलवर। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पिता कदमसिंह यादव की 13वीं पर गुरुग्राम के गांव जमालपुर आवास पर श्रद्धांजलि सभा व रस्म पगड़ी कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अलग-अलग प्रदेशों से मंत्री सांसद विधायक एवं संत महात्मा सम्मिलित हुए।

अलवर मीडिया जिला प्रभारी लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने बताया कि श्रद्धांजलि सभा व रस्म पगड़ी पर वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ शांतिपाठ किया गया तथा दोपहर को पगड़ी रस्म के तहत केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को गांव जमालपुर की संस्थाओं ने पगड़ी बंधवाई। इस दौरान भूपेंद्र यादव और उनके परिवारजनों की ओर से पिता की स्मृति में 21 लाख रुपए वैदिक कन्या गुरुकुल, रडकी (झज्जर) तथा 11-11 हजार रुपये गांव जमालपुर के मंदिर, गौशाला और विद्यालय को भेंट किये। पगड़ी रस्म में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, वन मंत्री संजय शर्मा, आचार्य प्रद्युम्न महाराज, विजय बैंसला, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, पूर्व विधायक रामहेत यादव, विधायक देवीसिंह शेखावत, हेमसिंह भडाना, बन्नाराम मीणा, सीताराम यादव, पूर्व विधायक बनवारी लाल सिंघल, अलवर ग्रामीण पूर्व विधायक जयराम जाटव, मंत्री केके विश्नोई, रविंद्र लोहिया, पूर्व मंत्री और सांसद विवेक ठाकुर, सांसद गोपाल ठाकुर, जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, फ़ज़ल हुसैन, संदीप दायमा, रमेश बिधूड़ी, राजेंद्र यादव, डॉ. करणसिंह यादव, डॉ. जेपी यादव, ताराचंद जैन, अशोक गुप्ता, महासिंह चौधरी, महाराज विवेक प्रधान, ऋषिराज शर्मा, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, देशराज खरेरा, विजय मीना, अशोक यादव, डॉ. रूपसिंह सहित अनेक राष्ट्रीय और विभिन्न राज्यों के राजनेता मौजूद रहे।

बाड़मेर जिला मुख्यालय पर आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ शिरकत करने पहुंची उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यक्रम से पहले बाड़मेर मगरा निवासी मेघाराम राईका के घर पहुंचकर उनके परिवार के साथ भोजन किया एवं वहां पर खेत में बने टैंक से पानी खींचकर निकालकर पिया।

सर्पदंश से महिला की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के फूलिया कलां थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की उसके पीहर के खेत पर सांप के काट से मौत हो गई। घटना के वक्त विवाहिता व उसके पीहर पक्ष के लोग खेत पर गेहूं निकलवा रहे थे। फूलियाकलां थाने के डियांस गांव निवासी मदनलाल बैरवा की विवाहिता बेटी शांति (32) पत्नी मुकेश बैरवा गत दिनों अपने ससुराल देवलिया से पीहर आई थी। मंगलवार रात पीहर पक्ष के लोगों के साथ विवाहिता शांति भी खेत पर गेहूं निकलवा रही थी। इस दौरान शांति को सांप ने डस लिया। परिजन उसे शाहपुरा ले गये, जहां से उसे भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय के लिए रैफर कर दिया गया।

चलते ट्रेलर में आग लगी, ड्राईवर ने कूदकर जान बचाई

पाली, (निसं)। पाली में सोलर प्लेट्स से भरे एक ट्रेलर में चलते हुए बीच रास्ते अचानक आग लग गई।

देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। ऐसे में ड्राइवर ने कूदकर जान बचाई। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया, तब तक लाखों रुपए की सोलर प्लेट्स जल चुकी थी। हादसा बुधवार सुबह करीब पौने पांच बजे हाइवे पर जाडन के पास हुआ।

ब्यावर जिले के राजेंद्रसिंह पुत्र गुलाबसिंह ने बताया कि वह सोमवार शाम को किशनगढ़ से सोलर प्लेट्स भरकर कर गुजरात के लिए निकला था। रास्ते में गाड़ी खराब होने पर उसे दुरुस्त करवाया।

कार्यालय नगरपालिका रावतभाटा, जिला-चित्तौडगढ़ (राज.)

क्रमांक/नपारा/स्टोर/निविदा/2024-25/2032 दिनांक :-25.03.2025

-:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या- 02/2024-25 ::-

नगरपालिका रावतभाटा द्वारा कार्य की प्रकृति अनुसार सक्षम व्यक्ति/संस्था/कम्पनी/संवेदक से वित्तीय वर्ष 2025-26 मे निम्नांकित कार्यो के लिए दर अनुबंध पर उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फॉर्म एवं ई-निविदा से संबंधित विवरण व शर्ते वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखी व प्राप्त की जा सकती है। उक्त निविदा का **NIB Code :- DLB2425A6921** है एवं कार्य का **UBN NO.** निम्न प्रकार से है:-

1	DLB2425WSOB22510	4	DLB2425WSOB22518
2	DLB2425WSOB22513	5	DLB2425WSOB22519
3	DLB2425WSOB22514	6	DLB2425WSOB22520

राज.संवाद/सी/24/13978

प्रशासक नगर पालिका रावतभाटा

अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रावतभाटा

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सिक्षेवि.
गंगनहर ओ.एफ.डी. खण्ड पंचम श्रीकरणपुर

क्रमाक-2748-68 दिनांक-11.03.2025

ई-निविदा सूचना सं. 08/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यो हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से पक्का खाला निर्माण कार्य Construction of Pucca Water Course in Chak 23 FF (RISK AND COST) की अनुमानित लागत 61.02 लाख है के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन/डाउनलोड की अवधि 21.03.2025 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 03.04.2025 की दोपहर 1.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलैक्ट्रोनिक फोर्मेट में https://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 04.04.2025 को दोपहर 1.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https:// cad.rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	यूबीएन नम्बर
1	Constuction of Pucca water course in Chak 23 FF (Risk and Cost) AS PER CAD BSR 2021	CDB202425WSOB00276

(लूणाराम राकेचा)
अधिशाषी अभियन्ता
गंगनहर ओएफडी खण्ड पंचम
सिंक्षेवि. श्रीकरणपुर मोबाईल-9351897941

DIPR/C/4031/2025

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभारिम शशि सूर्ययो:

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाउस, बनीपार्क, जयपुर
टेलीफैक्स : 0141 - 2201489, इमेल: zcejz@jvvnl.org

ई - निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के अलवर सर्किल के सहायक अभियंता एचटीएम रामगढ अधिकार क्षेत्र में मेसर्स आयुक्त नगर निगम अलवर के पक्ष में बहाला में ई.वी. चार्जिंग स्टेशन के लिए नया कनेक्शन जारी करने हेतु 33 केवी जाली टावर और यू/जी केबल का निर्माण टीएन-105 के अंतर्गत एआरसी पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई - प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 31.03.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई- पोर्टल पर दिनांक 15.04.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

UBN : VVN2425WSOB01264

राज.संवाद/सी/24/13991 जेपीआर - 2977 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

अमर जवानों के बलिदानों को याद करें : ले.जनरल मनजिंदर सिंह

चूरू जिला मुख्यालय पर पुनर्निमित वीरगति स्मारक का लोकार्पण किया

लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने पुनर्निमित वीरगति स्मारक का लोकार्पण किया।

चूरू, (निसं)। जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ सप्तशक्ति कमान, लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह (एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम) ने बुधवार को जिला मुख्यालय पर पुनर्निमित वीरगति स्मारक का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ सप्तशक्ति कमान, लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह (एवीएसएम, वाईएसएम, वीएसएम) ने कहा कि हम हमारे अमर जवानों के बलिदान को याद रखें तथा अपनी बेहतरीन सेवाओं से समाज की सेवा करें। चूरू के सपूतों ने विभिन्न अवसरों पर अपने अदम्य साहस, त्याग व बलिदान से देशप्रेम का उत्कृष्ट परिचय दिया। यहां की धरती ने वीरों को जन्म दिया है और वीरों ने देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि चूरू में भव्य वीरगति स्मारक का निर्माण भावी पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि हम समाज में एक सकारात्मक संदेश के साथ वीरों, भूतपूर्व सैनिकों व उनके परिवारों की देखभाल करें। मुख्य अतिथि मनजिंदर सिंह वीरांगनाओं, भूतपूर्व सैनिकों से रूबरू हुए। इस अवसर पर जिला सैनिक बोर्ड अध्यक्ष व जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि यह दिन हमारे चूरू जिले के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है।

इस स्मारक का पुन: निर्माण स्व. भंवरलाल-संपत देवी हीरावत की स्मृति में उनके पुत्र बसंत हीरावत व अभय हीरावत तथा उनके परिवार के सहयोग से ही संभव हुआ है। एक युद्धक टैंक, सैनिकों की विशाल मूर्तियां और भारतीय सेना के विभिन्न युद्धों के दृश्यों को दर्शाती कलाकृतियां इसकी भव्यता को बढ़ाती है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (नेवी) दलीप सिंह राठौड़ ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुये पुनर्निमित वीरगति स्मारक के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने अर्थिक सहयोग देने वाले बसंत हीरावत व अभय हीरावत का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह ने जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा, वीरगति स्मारक का पुनर्निर्माण करवाने वाले बसंत हीरावत व अभय हीरावत, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (नेवी) दलीप सिंह राठौड़, गुलाब कंवर, कौशल्या, किरण देवी, सूती देवी, सुमित्रा, कमला कंवर, किरण कंवर, घेवर कंवर, मंजू कंवर, संतोष कंवर सहित जिले की 89 वीर नारियों, वीरांगनाओं व वीरों के परिजनों को सम्मानित किया और वीरांगनाओं व भूतपूर्व सैनिकों से संवाद किया। जिला कलक्टर सुराणा ने लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदर सिंह को चंदन की कलाकृति भेंट की। कमांडर रणबांकुरा गनर्स ब्रिगेडियर एसपी दास ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर आयुद्ध सेवा महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुरेश चंद्र टांडी, जीओसी चेतक कोर लेफ्टिनेंट जनरल नगेन्द्र सिंह, जीओसी रणबांकुरा डिवीजन मेजर जनरल एके पुंडीर (एसएम, वीएसएम), ईएसएम लीग अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एसपीएस कटेवा, विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन (नेवी) दलीप सिंह राठौड़ सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सैन्य अधिकारी, वीरांगनाएं व भूतपूर्व सैनिक मौजूद थे।

पायलट ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

टोंक, (निसं)। कांग्रेस जिला ईकाई द्वारा बताया गया है कि टोंक विधायक सचिन पायलट ने टोंक नगर परिषद क्षेत्र के परिसीमन को लेकर आपत्ति जताते हुए मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित किया है।

पायलट ने पत्र में लिखा है कि टोंक विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली नगर परिषद् टोंक के सीमा क्षेत्र में वृद्धि किये जाने के सम्बन्ध में स्थानीय प्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों द्वारा मुझे अवगत कराया गया है कि पंचायत समिति टोंक की ग्राम पंचायत पालडा के राजस्व ग्राम लहन, अहमदगंज, अहमदपुरा (नया गांव), ग्रा.पं. डारडाहिन्द के ग्राम पालड़ी, डारडाहिन्द, ढाढा, उस्मानपुरा, ग्रा.पं. सोनवा के ग्राम उस्मानपुरा, सोनवा, गोहरपुरा, ग्रा.पं. चन्दलाई के ग्राम खानपुरा, बिचपुड़ी, चंदलाई, ग्रा.पं. बमोर के ग्राम बमोर तथा ग्रा.पं. सोरण के ग्राम युसुफपुरा, सोरण एवं श्योपुरी को नगर परिषद् टोंक में सम्मिलित किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों की मांग है कि इन क्षेत्रों को नगर परिषद् में सम्मिलित नहीं करके पंचायत समिति टोंक के अन्तर्गत यथावत रखा जाये। उक्त गांवों की अधिकांश जनसंख्या कृषि पर निर्भर होने के कारण इन गांवों को नगर परिषद् में सम्मिलित किया जाना पंचायती राज एवं नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है।

किशोरपुरा में आठ सरकारी ट्यूबवैलों का विद्युत कनेक्शन काटा, ग्रामीण परेशान

- पूरे गांव में पानी के लिये की त्राहि-त्राहि मची, विभागों के चक्कर में फंसी विद्युत बिल की राशि
- ग्रामीणों ने मांग की है कि शीघ्र ही कनेक्शनों को जोड़कर जल सप्लाई चालू की जाए

गुढ़ागौड़जी, (निसं)। उदयपुरवाटी उपखंड के किशोरपुरा में बुधवार को विद्युत विभाग द्वारा एक साथ आठ सरकारी ट्यूबवैलों का विद्युत कनेक्शन काट दिया गया, जिससे पंचायत किशोरपुरा में पानी के लिये त्राहि-त्राहि मची हुई है। सरकारी ट्यूबवैल ही ग्राम पंचायत किशोरपुरा की जनता के लिए पीने के पानी का स्त्रोत थे।

ग्रामीणों ने बताया कि पिछली सरकार के कार्यकाल में बांडिया नाला क्षेत्र में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत आठ ट्यूबवैल पीने के पानी के लिए स्वीकृत किए गए थे। जिनसे किशोरपुरा ग्राम पंचायत में पीने के पानी की सप्लाई की जा रही थी। बुधवार को विद्युत विभाग के कर्मचारियों द्वारा जल जीवन मिशन योजना से जुड़े आठ ट्यूबवैलों का कनेक्शन एक साथ काट दिया गया, जिससे गांव में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। विभाग के चक्कर में बिल जमा नहीं होने से पीने के पानी का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा हैं। विद्युत विभाग द्वारा

किशोरपुरा में विद्युत विभाग ने आठ सरकारी ट्यूबवैलों का कनेक्शन काट दिया

कनेक्शन काटे जाने पर ग्रामीणों में आक्रोश की भावना बनी हुई है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर और राजस्थान सरकार से मीडिया के माध्यम से मांग की है कि शीघ्र ही कनेक्शनों को जोड़कर जल सप्लाई चालू की जाए। अन्यथा मजबूरन बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

अधीक्षण अभियंता, विद्युत विभाग, झुंझुनूं का कहना है कि हमारे विभाग द्वारा पीएचईडी विभाग के अधिकारियों तथा जिला परिषद सीईओ को कनेक्शन काटने से पूर्व विद्युत बिल की राशि जमा करवाने के नोटिस दिए जा चुके हैं। परंतु उन्होंने बिल जमा नहीं करवाए। बिल जमा नहीं होने से कनेक्शन काटे गए हैं। फिर भी इस संबंध में मेरे विभाग के उच्चाधिकारियों से बात करता हूं।

मोहनलाल सैनी, सरपंच, किशोरपुरा का कहना है कि जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत लगे 8 ट्यूबवैल जिसमें विद्युत विभाग का बिल बकाया चल रहा है। जिसे पंचायत के पास कोई फंड नहीं है। मैंने इस मामले को लेकर उदयपुरवाटी विकास अधिकारी को अवगत करवाया है। शीघ्र ही जिला कलेक्टर से मिलेंगे।

विकास अधिकारी उदयपुरवाटी का कहना है कि विद्युत विभाग के बिल जमा नहीं होने के कारण कनेक्शन काटा गया है। हमारे पास ऐसा कोई फंड तथा आदेश नहीं है। जिससे बिल जमा करवाने के लिए ग्राम पंचायत को निर्देशित किया जा सके। विद्युत कनेक्शन ग्राम पंचायत के नाम से नहीं होकर जल एवं स्वच्छता समिति के नाम से हैं। हमने इस मामले को लेकर उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया है। इस समस्या का समाधान जयपुर से होगा।

अधीक्षण अभियंता, पीएचईडी विभाग, झुंझुनूं का कहना है कि बोरवैल जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत लगे हुए हैं। पीएचडी विभाग से इन कनेक्शनों का कोई लेना-देना नहीं है। कनेक्शन ग्राम पंचायत के नाम से हैं। बिल भी ग्राम पंचायत ही जमा करवाए।

पशुचारे की पिकअप पलटी, लगी आग

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 सादुलपुर-चूरू पर गांव डोकवा में पुलिया के पास बुधवार को सादुलपुर से चूरू की ओर जा रही पशु चारे से भरी पिकअप गाड़ी का टायर निकलने से पिकअप गाड़ी पलट गई। वहीं इसी दौरान अचानक टायर निकलने से पिकअप के निचे के हिस्से ने आग पकड़ ली। लेकिन मौके पर उपस्थित पंचदेव होटल के संचालक सुशील खीचड, कृष्ण कुमार पूनियां व अन्य ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि घटना के दौरान कोई अन्य वाहन पिकअप गाड़ी के नजदीक नहीं था, अन्यथा कोई बडी जनहानि हो सकती थी। वहीं घटना की मिली सूचना पर राजगढ थाना पुलिस एवं हाईवे पट्रोलिंग की टीम मौके पर पहुंची तथा घटना का जायजा लिया और मौके पर क्रेन बुलाकर पशुचारे से भरी पलटी पिकअप गाड़ी को खड़ी कावाया। होटल संचालक सुशील खीचड ने बताया कि सादुलपुर की ओर से पशु चारे के भरी एक पिकअप गाड़ी चूरू की ओर से जा रही थी, जिसका चालक सोनू मानसा पंजाब से पिकअप गाड़ी में पशु चारा भरकर चौमू जा रहा था।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

प्रभारिम शशि सूर्ययो:

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (भ.सं.) पावर हाउस के पास, मोतीझील, भरतपुर
(ई-मेल - zcebz@jvvnl.org, फोन नं.- 05644-236080)

ई - निविदा सूचना

टी.एन.-28 के लिए योग्य निविदादाताओं ऑनलाईन-निविदा दो भागों (तकनीकी-वाणिज्यिक), में श्रम दर पर आमंत्रित किऐ जाते है। टी.एन.-28:- सहायक अभियन्ता (एच.टी.एम.), जयपुर डिस्कॉम, डीग के अन्तर्गत डीग वृत में 33/11 केवी सब-स्टेशन जटवास का निर्माण मय 33 केवी लाईन व 11 केवी लाईन खीचने का कार्य निगम एआरसी दर पर करने के लिये। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** पर दिनांक 26.03.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदाऐं ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 15.04.2025 (सायं 5:00 बजे) तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट **www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://www.eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

UBN : VVN2425WSOB01253

राज.संवाद/सी/24/13965 जेपीआर - 2973 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (भरतपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED

Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482
(Regd.Office : VidyutBhawan, Panchasheel Nagar, Ajmer-305004
Office of the Superintending Engineer (Solar)
Vidyut Bhawan, Panchasheel Nagar, Ajmer-305004
Website : https://energy.rajasthan.gov.in/avvnl Email : xendsmavvnl2025@gmail.com

ई- अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interested) सूचना

RESCO प्रणाली के माध्यम से ग्रिड से जुड़े सौर ऊर्जा संयंत्रों के COD से 25 वर्षों के लिए रूप-रेखा, सर्वेक्षण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग, संचालन और रखरखाव के लिए पात्र बोलीदाताओं से अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interested) में ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। कुसुम योजना घटक A के तहत AVVNL में 11kV फीडरों से जुड़े कृषि उपभोक्ताओं के सौरकरण हेतु 11kV लाइन के माध्यम से 33/11kV सब-स्टेशनों और सौर ऊर्जा संयंत्रों के RMS को जोड़ा जाना है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध लिंक NIT No. AVVNL/CE (Project)/SE(Solar)/XEN(RE-DSM)/ KUSUM-A/TN-DSM-38 के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

भविष्य में, किसी भी शुद्धिपत्र अथवा विस्तार की सुचना, केवल वेब साइट www.energy.rajasthan.gov.in/avvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov पर प्रकाशित की जाएगी। UBN - AVV2425WLOB00869

राज.संवाद/सी/24/14029 अधीक्षण अभियंता (सोलर)

देश के वीर शहीदों के सम्मान में सभी को आगे आना चाहिए : दीया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शहीद हवलदार रामजीलाल की प्रतिमा का अनावरण किया

खिरोड़, (निसं)। कस्बे के राजस्व गांव कैमरी ढाणी के शहीद हवलदार रामजीलाल कटेवा के 22वें शहादत दिवस पर शहीद की प्रतिमा अनावरण उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पुष्प चक्र अर्पित करके किया। वहीं अनावरण पट्टिका का लोकार्पण भी किया गया। नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल के अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नवलगढ़ नगर पालिका के अध्यक्ष सुरेंद्र सैनी, खिरोड़ ग्राम पंचायत के सरपंच महावीर प्रसाद भामू व पंचायत समिति सदस्य जानकी देवी थे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शेखावाटी को वीर शहीदों की भूमि बताते हुए कहा कि देश के इन वीर शहीदों के सम्मान में सभी को आगे आना चाहिए और देश के शहीदों एवं उनके परिवारों का सम्मान करना चाहिए। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रयास करते हुए कारगिल में शहीद हुए जवानों की पार्थिव देह उनके घरों तक पहुंचाई गई थी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शहीदों के परिवारों के साथ मिलकर त्यौहार मनाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सेवा को सशक्त और मजबूत बनाने के लिए विभिन्न तरह से भागीदारी निभाई है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने हाल ही में बजट में नवलगढ़ क्षेत्र मैं विकास कार्यों के बारे में बताया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार हर वर्ग के लिए बहुत सी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य कर रही है और देश की जनता को भी डबल इंजन की सरकार पर विकास कार्यों को लेकर विश्वास है। कार्यक्रम को संबोधित करती हुई उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने खिरोड़ क्षेत्र के लोगों के लिए खिरोड़ के राजस्व गांव तुरकानी जोहड़ी से लेकर राजस्व गांव कैमरी ढाणी तक 5 किलोमीटर की सड़क शहीद हवलदार रामजीलाल कटेवा के नाम से बनाने की घोषणा करते हुए सड़क की सौगात दी है।

कैमरी ढाणी वासियों ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का हल भेंट करके सम्मान किया।

कार्यक्रम को नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल ने संबोधित करते हुए कहा कि डबल इंजन की सरकार हमेशा विकास के लिए तत्पर रहती है। वहीं शहीदों के सम्मान के लिए भी हर समय तैयार रहती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने बुजूर्ग सैनिकों से प्रेरणा लेते हुए देश की रक्षा के लिए हर समय तैयार रहे। देश में जागृति लाने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए और देश की रक्षा करनी चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंडेला विधायक सुभाष मील ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि शेखावाटी के कण-कण में शहीदों का नाम है। शहीद हमेशा अमर रहते हैं और देवताओं के समान माने जाते हैं। इसलिए शहीदों का देवताओं की तरह ही पूजन करना चाहिए। इससे पूर्व कैमरी ढाणी वासियों द्वारा उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को हल भेंट करके सम्मान किया गया। वहीं शहीद रामजीलाल कटेवा के परिवार की ओर से उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का चुनड़ी ओढ ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान शहीद रामजीलाल कटेवा की वीरांगना प्रभाती देवी सहित पूरे परिवार का शॉल ओढ ाकर एवं प्रतीक चिह्न भेंट करके सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान शहीद की प्रतिमा बनाने वाले मूर्तिकार वीरेंद्र सिंह शेखावत का प्रतीक चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। खिरोड़ सरपंच महावीरप्रसाद भामू एवं कार्यक्रम के आयोजन रिटायर्ड सूबेदार मेजर जुगल किशोर कटेवा एवं अजय सिंह कटेवा ने सभी आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी उम्मेद सिंह महला ने किया।

इस मौके पर जिला परिषद सदस्य बीरबल सिंह गोदारा, सुभाष लांबा, भाजपा नेता किशोर सिंह मिठारवाल, रामावतार महला, रघुवीर सिंह टोंक छीलरी, रामलाल सांखणिया, किसान नेता अशोक मिठारवाल, भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष किशनलाल गुर्जर, पूर्व अध्यक्ष बीरबल यादव, बाबूलाल कटेवा, बीरबल धेथरवाल, सांवरमल गिला, पूर्व सरपंच सतीश भींचर, योगेंद्र सिंह शेखावत, धर्मवीर सिंह शेखावत, जीएसएस अध्यक्ष रामनिवास, रणवीरसिंह, बीरबल सिंह, ताराचंद, धोंकलराम, सुल्तान राम थोरी, सहित कई लोग मौजूद रहे।

मिस्त्री द्वारा आत्महत्या का मामला : पुलिस को सुसाइड नोट मिला

सुसाइड नोट में आवास योजना अंतर्गत लोन लेने तथा किस्त भरने जैसी बातों का जिक्र

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ कस्बे में गत रोज एक 35 वर्षीय बाइक मिस्त्री द्वारा अपनी ही दुकान में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने के मामले में मृतक के कपड़ों से पुलिस ने एक सुसाइड नोट बरामद किया है। जानकारी के अनुसार सुसाइड नोट में आवास योजना अंतर्गत लोन लेने तथा किस्त भरने जैसी बातों का जिक्र करते हुए एक संदीप मिस्त्री नामक व्यक्ति पर आरोप लगाया कि संदीप ने उसके खिलाफ काफी रुपए बना रखे हैं और ब्लैकमेल कर रहा है। हांलाकि मृतक के भाई राकेश कुमार पुत्र शंकर लाल नाई ने दर्ज मामले में सुसाइड नोट का जिक्र नहीं किया है।

थाना अधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि मृतक नरेश कुमार ने सुसाइड नोट में लिखा कि मैं नरेश कुमार बहुत परेशान हूं। मैं मेरी मर्जी से खुदकुशी कर रहा हूं। मेरे पर कोई कर्जा नहीं है। और ना ही मेरे ऊपर कोई दबाव है। मैंने ऑनलाइन लोन ले रखा है। जिसकी किस्त भर रखी है और मेरा आवास योजना का लोन भी चल रहा है, हो सके तो माफ कर देना, मैं सब से सॉरी बोलना चाहता हूं अगर कोई मेरे घर वालों को परेशान करता है या मेरे भाई या मेरी बहन को या मेरी वाइफ को परेशान करता है तो वह खुद जिम्मेदार होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस प्रशासन से बस मेरी यही रिक्वेस्ट है और कोई गरीब आदमी ना मेरे संदीप मिस्त्री ने मेरे खिलाफ काफी रुपए बना रखे हैं और मुझे ब्लैकमेल कर रहा है।

गौरतलब है कि मामले में राकेश कुमार पुत्र शंकर लाल नाई ने मामला दर्ज करवाकर बताया था कि उसका छोटा भाई नरेश कुमार जो गीता देवी स्कूल के पीछे मोटरसाइकिल सर्विस की दुकान कर रखी है। उसका छोटा भाई हमेशा शाम को 7-8 बजे तक घर आ जाता था, लेकिन 24 मार्च की शाम को दुकान से घर नहीं पहुंचा तो शहर में हर संभावित जगहों पर तलाश किया पूछताछ भी की, लेकिन कोई पता नहीं चला। 25 मार्च को लगभग अपने भाई की दुकान को खोल कर देखा तो दुकान में पंखे के हुक से रसी का फंदा बनाकर फांसी पर लटका हुआ मिला तथा उसके भाई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

कोषाधिकारी कार्यालय को कुर्क करने के आदेश जारी

जालोर, (कासं)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जालोर प्रिया टवरी ने कोषाधिकारी कार्यालय की ओर से पेंशनर के मेडिकल बिलों का भुगतान नहीं करने पर कार्यालय को कुर्क करने के आदेश दिये हैं।

सीजेएम जालोर के समक्ष पेंशनर मुजफर हुसैन ने दावा प्रस्तुत किया कि वह सरकारी सेवा से सेवानिवृत है तथा उसे मेडिकल के बिलों व इलाज का भुगतान पेंशनर होने से कोष कार्यालय द्वारा किया जाता है। करीब एक लाख रुपये अधिक रुपये के मेडिकल बिलों का भुगतान कोष कार्यालय द्वारा नहीं करने पर वसूल का दावा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। न्यायाधीश ने कोष कार्यालय को पेंशनर के मेडिकल बिलों की राशि का भुगतान करने का आदेश दिया। आदेश के बावजूद भुगतान करने पर इजराय प्रार्थना पत्र की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश ने कोषाधिकारी कार्यालय को कुर्क करने के आदेश जारी किये, जिसके बार कोर्ट के सेल आमीन ने बुधवार को कोषाधिकारी को कुर्क के आदेश से अवगत करवाया। इसके बाद कोषााधिकारी ने दो दिन का समय मांगा है।

पारंपरिक जांच प्रणाली अपराधियों पर शिकंजा कसने में प्रभावी: एडीजी घुमरिया

कोतवाली थाना और सीईओ ग्रामीण कार्यालय का एडीजी हवासिंह घुमरिया ने निरीक्षण किया

■ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हवासिंह घुमरिया ने अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश

अजमेर, (कासं)। पुलिस की पारंपरिक जांच प्रणाली अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए आज भी प्रभावशाली है। यह शब्द अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हवासिंह घुमरिया ने बुधवार को कोतवाली थाना और सीईओ ग्रामीण कार्यालय के वार्षिक निरीक्षण के दौरान कहे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से संवाद किया तथा रिकॉर्ड की जांचकर कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस कार्यप्रणाली और अपराध नियंत्रण को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए।

एडीजी हवासिंह घुमरिया ने निरीक्षण के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए कहा कि पुलिस में नवाचार इनोवेशन अपनी जगह महत्वपूर्ण है, लेकिन पारंपरिक जांच प्रणाली आज भी अपराधों को कम करने और अपराधियों पर शिकंजा कसने में बेहद प्रभावी साबित होती है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक जांच प्रक्रिया में अपराधियों को जल्द से जल्द दबोचने और अपराध पर नियंत्रण पाने की अधिक संभावनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि यह तकनीक का युग है और हर दिन नई टेक्नोलॉजी सामने आ रही है। पुलिस विभाग नई तकनीकों को स्वीकार करता है और अपने सिस्टम में शामिल कर रहा है, जिससे अपराध जांच की प्रक्रिया को अधिक सटीक और प्रभावी बनाया जा सके, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस की पारंपरिक जांच प्रणाली आज भी अपराध नियंत्रण में अहम भूमिका निभाती है और अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई करने में ज्यादा कारगर होती है।

थाने का किया निरीक्षण रिकॉर्ड की जांच की :- निरीक्षण के दौरान एडीजी घुमरिया ने पुलिस रिकॉर्ड को बारीकी से जांच की और पुलिस स्टाफ से विभिन्न विषयों पर सवाल-जवाब किए। उन्होंने लंबित मामलों की समीक्षा की और अपराधों की रोकथाम के लिए की जा रही कार्रवाई का जायजा लिया। उन्होंने यह भी देखा कि थाने में आने वाले आमजन की शिकायतों का निस्तारण किस तरह किया जा रहा है और पुलिस उनकी कितनी सुनवाई कर रही है।

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने पुलिस अधिकारियों को अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी पुलिसकर्मियों को अपने दायित्व को पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से निभाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने पुलिस थानों में शिकायतों के त्वरित निस्तारण जनता के प्रति संवेदनशीलता और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही।

आईओसीएल पाइप लाइन में लिकेज से हड़कंप मचा

■ मॉकड्रील की जानकारी सामने आने के बाद राहत मिली

मालपुरा, (निसं)। पचेवर थाना क्षैत्र से होकर गुजर रही आईओसीएल पाइप लाइन में बुधवार की दोपहर मलिकपुर के पास लाइन में आग लगने की सूचना से हड़कम्प मच गया।

आग की सूचना पर पाइप लाइन कम्पनी के अधिकारी सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। चिकित्सा विभाग की टीम एम्बुलेंस के साथ मौके पर पहुंची। सभी अधिकारियो के मौके पर पहुंचने पर पाइप लाइन में आग लगने व बडा हादसा घटित होने से पूर्व रोकथाम को लेकर मॉकड्रील की जानकारी सामने आने के बाद सभी ने राहत की सांस ली। इंडियन ऑयल की और से महाप्रबंधक चाकसु बेस ले. कर्नल सोनी ने बताया कि समय-समय पर कम्पनी द्वारा आपातकालीन स्थितियों से निपटने तथा आमजन को जागरूक करने के उदेश्य से मॉकड्रील कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। मॉकड्रील में प्रशासनिक अधिकारी व कम्पनी अधिकारियों के साथ-साथ चिकित्सा विभाग की टीम एवं एम्बुलेंस के मौके पर पहुंचने की तत्परता का भी पूर्वाभ्यास किया जाता है। बुधवार को मलिकपुर के पास यह मॉकड्रील की गई। मॉकड्रील के दौरान डीवाईएसपी आशीष प्रजापत, पचेवर थाना पुलिस टीम, आईओसीएल कम्पनी से महेन्द्र कुमार मीणा, नेतराम मीणा, हितेश मीणा, वीरसिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर मौजूद रहे।

पानी चोरी करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाया

बालोतरा, (निसं)। बुधवार को परियोजना खण्ड बालोतरा के अधिकारियों ने अवैध रूप से पाइप लाइनों से पानी चोरी करने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत गिड़ा क्षेत्र के सिमरखियां गांव में सिमरखियों फॉटे पर कार्रवाई करते हुए 3 अवैध जल संबंध चिन्हित कर हटाए गए।

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिशाषी अभियंता बाबूलाल मीणा ने बताया कि अवैध जल संबंधकर्ता अचल सिंह पुत्र चौहानसिंह राजपूत, नखत सिंह पुत्र मेघ सिंह एवं गोरधन सिंह पुत्र विजयसिंह के विरूद्ध गिड़ा थाने में राष्ट्रीय संपति को नुकसान पहुंचाने, पानी के बहाव को अवरूद्ध करवाने, पानी चोरी करने, पीने के पानी से आमजन को वंचित रखने आदि कृत्यों के तहत मुकदमा भी दर्ज करवाया गया है। यह कार्रवाई राकेश शर्मा, मोहन राम सहायक अभियंता एवं बाबूलाल जाणी खण्डीय लिपिक तथा अन्य कार्मिक मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि 13 मार्च को गांधीपुरा टंकी के पास अखतर खान की फैक्ट्री में पकड़े गये अवैध जल संबंधों के विरुद्ध 4 लाख 86 हजार 210 रुपए जुर्माना एवं पेनल्टी का नोटिस छत्राराम अधिशाषी अभियंता द्वारा जारी किया गया था। उपरोक्त राशि आज अखतर खान द्वारा विभाग में जमा करवा दी गई है। उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जिस किसी के द्वारा अवैध रूप से किसी भी तरह से पानी की चोरी एवं बेचान किया जा रहा है। जुर्माना राशि के साथ साथ उनके विरूद्ध मुकदमे की कार्यवाही निश्चित रूप से होगी। यदि किसी द्वारा पानी चोरी करने वाले, पानी चोरी बंद करें एवं बालोतरा शहर में फर्जी कनेक्शन स्थापित कर घरों में पानी लेने वाले व्यक्तियों से निवेदन है कि 7 दिवस के अंदर पेनल्टी राशि जमा कराकर जल कनेक्शन को नियमित करवा लेवे अन्यथा बालोतरा शहर में भी बड़े स्तर पर ऐसे लोगो के विरुद्ध शीघ्र कार्यवाही शुरू की जाएगी।

उन्होंने बताया कि 24 मार्च को जीरो फाटक के पास राजेन्द्र चौधरी पुत्र भुराराम चौधरी के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 1 लाख 66 हजार 430 रुपए जुर्माना पेनल्टी राशि के नोटिस के साथ बालोतरा थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया है।

चलते ट्रेलर में आग लगी, ड्राईवर ने कूदकर जान बचाई

पाली, (निसं)। पाली में सोलर प्लेट्स से भरे एक ट्रेलर में चलते हुए बीच रास्ते अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। ऐसे में ड्राइवर ने कूदकर जान बचाई। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया, तब तक लाखों रुपए की सोलर प्लेट्स जल चुकी थी। हादसा बुधवार सुबह करीब पौने पांच बजे हाइवे पर जाडन के पास हुआ।

ब्यावर जिले के राजेंद्रसिंह पुत्र गुलाबसिंह ने बताया कि वह सोमवार शाम को किशनगढ़ से सोलर प्लेट्स भरकर कर गुजरात के लिए निकला था। रास्ते में गाड़ी खराब होने पर उसे दुरुस्त करवाया। बुधवार सुबह जाडन से आगे निकला ही था कि हाइवे पर शर्मा पेट्रोल पम्प के सामने अचानक ट्रेलर के पिछले हिस्से में आग लग गई। इस पर उसे बुझाने का प्रयास किया लेकिन कामयाब नहीं हो सका। ऐसे में पुलिस और दमकलकर्मियों को सूचना दी। हादसे की सूचना पर जाडन, पाली, सोजत से तीन दमकलों के साथ दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे। दमकलों ने कई फेरे कर करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रेलर और उसमें रखी सोलर प्लेट्स जल चुकी थी। हादसे के चलते यातायात भी बाधित रहा।

अवैध बजरी से भरे पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस व डीएसटी टीम ने तीन अलग-अलग स्थानों से अवैध बजरी से भरे हुए पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए हैं। थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह ने बताया कि पुलिस की टीम ने पहाड़ी कट, दीक्षा पेट्रोल पंप कट व नला रोड से अवैध बजरी से भरे हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है।

मालपुरा संवाददाता के अनुसार पचेवर थाना पुलिस ने अवैध बजरी परिवहन पर कार्यवाही करते हुये बुधवार को एक ट्रेलर को अवैध बजरी परिवहन करते जब्त कर चालक गजेन्द्र साहु निवासी विजयनगर जिला ब्यावर को गिरफ्तार किया है। इसी क्रम मे अवैध बजरी परिवहन करते टोडारायसिंह थाना पुलिस ने एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर फरार हुये चालक के विरूद्ध मामला दर्ज किया।

शाहपुरा जिला बहाली की मांग को लेकर 85वें दिन भी धरना जारी

जिला बचाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में 28 मार्च को शाहपुरा के प्रतिष्ठान बंद रहेंगे

शाहपुरा जिले की मांग को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया।

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के तत्वाधान में 85 वें दिन बुधवार को वार्ड नंबर 17 के वार्डवासियों ने प्रॉपर्टी संगठन के अध्यक्ष राजेंद्र बोहरा व एडवोकेट शरीफ मोहम्मद के नेतृत्व में क्रमिक अनशन पर बैठकर नारेबाजी की एवं उपखंड अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

शाहपुरा जिला बचाओ संघर्ष समिति के संयोजक एडवोकेट रामप्रसाद जाट ने बताया कि जिला बचाओ संघर्ष समिति के तत्वावधान में 28 मार्च को ब्लैक-डे मनाया जाएगा एवं शाहपुरा के विभिन्न किराणा, कपड़ा, रेडीमेड, मोबाइल, सर्राफा, चाय की थड़ी, फ्रूट व सब्जी मंडी आदि संगठनों से पूर्व की भांति 28 मार्च को अपने व्यवसाय पूरे दिन बंद रखकर सहयोग करने की अपील की। 28 मार्च को सभी व्यवसायिक संगठन स्वैच्छिक रूप से अपने व्यवसाय बंद रखकर महलों के चौक से विशाल रैली निकालकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे। 28 मार्च को जिला बचाओ संघर्ष समिति शाहपुरा का प्रतिनिधिमंडल भीलवाड़ा में मुख्यमंत्री से मिलकर जिले बहाली की मांग करेंगे। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद आगे के कार्यक्रमों की रूपरेखा संघर्ष समिति द्वारा तय की जाएगी। मंच संचालन अविनाश शर्मा ने किया। इस मौके पर एडवोकेट आशीष पालीवाल, गजेंद्रप्रताप सिंह, वीरेंद्र सिंह भाटी, एडवोकेट ताज मोहम्मद, कुलदीप यादव तथा संघर्ष समिति के सदस्य सूर्य प्रकाश ओझा, उदय लाल बैरवा, हाजी उस्मान छिपा, सत्यनारायण पाठक, धनराज जीनगर, नंदलाल मिस्त्री, रोशन बिसायती, इनायतुल्लाह मंसूरी, दीपक शर्मा, आजाद रंगरेज, अब्दुल हमीद लोहार, अरूण राव, पंकज पाराशर,अकील पठान, ताज पठान, पार्षद अमजद खान, बरकत कायमखानी, अमीरद्दीन पठान, आरिफ़ रंगरेज मिस्त्री उपस्थित रहे।

विवाहिता की उपचार के दौरान मौत मामले में परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया

■ मामले में एक डॉक्टर को निलंबित किया और जांच कमेटी गठित की

■ परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया, पोस्टमॉर्टम को राजी हुए परिजन

पाली, (निसं)। पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में 22 साल की विवाहिता पायल की उपचार के दौरान मौत के मामले में परिजनों ने उपचार में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है और शव के पोस्टमॉर्टम के लिए राजी नहीं हुए। मामले में बुधवार को एक डॉक्टर को निलंबित किया गया है। जांच कमेटी गठित की गई है जो पूरे मामले की जांच कर तीन दिन में रिपोर्ट देगी। वहीं परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने भी देर रात को मामला दर्ज किया। इस पर परिजन बुधवार दोपहर को शव के पोस्टमॉर्टम के लिए राजी हुए। वहीं मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया।

चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाकर परिजनों ने हंगामा किया।

जानकारी के अनुसार पाली के मिलगेट क्षेत्र में रहने वाली 22 साल की पायल पत्नी नवीन कुमार को बुखार, उल्टी और चक्कर आने की शिकायत पर परिजनों ने 25 मार्च मंगलवार सुबह डॉक्टर को चेक करवाया गया और उसे इलाज के लिए भर्ती किया गया। परिजनों का आरोप है कि गलत इंजेक्शन लगाया गया, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ी। ऐसे में उसे आईसीयू में भर्ती किया। जहां मंगलवार शाम करीब सात बजे उन्हें बताया गया कि पायल की मौत हो गई है। परिजनों ने हंगामा खड़ा कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन परिजन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे और आईसीयू वार्ड के बाहर धरने पर बैठ गये। मामले में मंगलवार देर रात को पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के आश्वासन के बाद और मृतका के परिजनों की रिपोर्ट दर्ज होने पर परिजन शव मोर्चरी में रखवाने को राजी हुए।

मामले में मृतका के पीहर, ससुराल और समाज के लोग बुधवार सुबह से ही मोर्चरी के बाहर बड़ी संख्या में पहुंच गए। हंगामे की आशंका के चलते भारी पुलिस जाप्ता भी तैनात रहा, लेकिन परिजन पोस्टमॉर्टम के लिए राजी नहीं हुए। उन्होंने मामले में दोषी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। आखिरकार , तहसीलदार जितेन्द्र बबेरवाल, डॉ. विकास मारवाल, बांगड़ हॉस्पिटल के डॉ. चौधरी सहित अन्य ने मामले की जांच के लिए टीम गठित की और प्रारंभिक जांच के बाद डॉ. सूर्यवीर को निलंबित करने का आदेश जारी किया। वही डॉ गौरव कटारिया, डॉ प्रवीण गर्ग के नेतृत्व में गठित टीम को पूरे मामले की जांच कर तीन दिन में रिपोर्ट सौंपने की बात कही। इस सारी कार्रवाई से मृतका के परिजनों को अवगत करवाया गया। तब जाकर वे बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे पोस्टमॉर्टम के लिए राजी हुए। मामले में समझाइश होने पर दोपहर करीब डेढ़ बजे मृतका के परिजनों ने महिलाओं को मोर्चरी के बाहर से घर के लिए रवाना किया। रोते हुए महिलाएं घर जाती नजर आई। उनकी आंखों में आंसू और लापरवाही बरतने वाले डॉक्टर के खिलाफ गुस्सा था। मृतका पायल का पांच माह का बेटा बांगड़ हॉस्पिटल में 24 मार्च से भर्ती है। उसे भी बुखार, उल्टी-दस्त की शिकायत है। पायल की अकाल मौत से पांच माह के प्रियांश के सिर से मां का साया उठ गया।

डॉक्टरों की लापरवाही से गई हमारी बहन की जान मामले में मृतका पायल के भाई निर्मल वेद्य, रामचंद्र ने कहा कि डॉक्टर की लापरवाही से उनकी बहन की अकाल मौत हुई है। वह तो बिलकुल ठीक थी। कुछ महीने पहले ही उसने प्रियांश को जन्म दिया था। डॉक्टर ने गलत इंजेक्शन लगाया जो उसकी मौत का कारण बना। लेकिन अब क्या हो सकता है हमारी बहन तो वापस लौट कर नहीं आ सकती। इतना कहते हैं दोनों की आंखों से आंसू छलकने लगे।

मामले में बांगड़ हॉस्पिटल के डॉ. एचएम चौधरी ने कहा कि मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की है। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टर सूर्यवीर को निलंबित किया है। मेडिकल बोर्ड से मृतका की बॉडी का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा है।

सार-समाचार

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का स्वागत

सादुलपुर, (निसं)। पंचायत समिति सभागार राजगढ में राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर शाखा राजगढ के अध्यक्ष मानसिंह मेहरा के नेतृत्व में राजस्थान शिक्षक संघ राजगढ के विद्वान साथियों ने राजगढ ब्लॉक को शिक्षा और सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं को सफल बनाकर राजस्थान में प्रथम स्थान पर लाने पर सोमवार को मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बबलेश शर्मा का भव्य स्वागत अभिनन्दन किया। इसी दौरान शाम साढे पांच बजे वक्ताओं ने अपने-अपने सम्बोधन में कहा कि राजगढ बलॉक को शिक्षा एवं सरकार द्वारा जारी विभिन्न योजनाओं में राजस्थान में प्रथम स्थान पर लाना मुख्य बलॉक शिक्षा अधिकारी बबलेश शर्मा की सराहनीय मॉनेटरिंग का परिणाम है। वहीं सभी ने आगे भी इसी प्रकार से शिक्षा के क्षेत्र में अनवत उपलब्धि में सहयोग का आश्वासन दिया। इसी दौरान सभी ने सीबीईओ कार्यालय के अधिकारी मुख्य बलॉक शिक्षा अधिकारी बबलेश शर्मा, एसीबीईओ प्रथम दीवान सूरा, एसीबीईओ द्वितीय बेधडक सिंह का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम में संघ के संरक्षक रामकुमार धानिया, संयोजक रघुवीर सिंह, प्राचार्य ब्रह्मानंद मेहरा प्रधानाचार्य, सीताराम सिंघल प्रधानाचार्य, चंद्रभान गोठवाल, प्रधानाचार्य जयवीर भाटीवाल, सहीराम, रतन सिंह सोलडा, मनोज सोलडा, चंद्रभान मेहरा, जयवीर सिंह सिंघल, सुभाष बागोत, किरण भाटी, तेजपाल भगवान सिंह दायमा, महिपाल सिंह सिंहमार, देवीलाल रंगा, राकेश गोठवाल सभा अध्यक्ष, संतलाल, कपिल, विनोद सुवटा, पवन कुमावत सहित अनेक विद्वान साथी उपस्थित देवीलाल जी रंगा राकेश जी गोठवाल सभा अध्यक्ष संतलाल आदि उपस्थित रहे।

शोभायात्रा का निमंत्रण

चिड़ावा (निसं)। हिंदू नववर्ष के उपलक्षय में 30 मार्च को निकलने वाली विशाल शोभायात्रा की तैयारियां शहर में जोर-शोर से चल रही हैं। श्रीराम परिवार के सदस्यों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पीले चावल वितरित कर लोगों को शोभायात्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। शोभायात्रा में श्री रामदरबार की झांकी की मनमोहक झांकियां, बैंड बाजे और डीजे की धुन पर भगवान के जयकारों के साथ नृत्य और गायन होगा। शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरेगी। श्रीराम परिवार के सदस्यों ने महावीर इंटरनेशनल ग्रुप, भारद्वाज हॉस्पिटल, ब्रह्म चैतन्य संस्थान, चिड़ावा कोर्ट, चिड़ावा पुलिस थाना, सरला पाठशाला एवं झुग्गी झोपडी, सुथरा बस्ती , बंजारा बस्ती में जाकर वहां के निवासियों को पीले चावल देकर उन्हें शोभायात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। तथा सभी से अपने परिवार के साथ शोभायात्रा में भाग लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर श्रीराम परिवार के नवीन सोनी, पवन शर्मा नवहाल, रमेश स्वामी, सुरजीत सैनी, अमित सैनी, धर्मेंद्र चेजारा, रजनीकांत मिश्रा, राजेश वर्मा, मनीष शर्मा, नितेश जांगिड़, मुकेश टेलर,मनीष शर्मा, अमित चोटिया, सुनील शर्मा, मुकेश पारीक, मनीष जांगिड़, राहुल सोलंकी, जगदीप शर्मा उर्फ शेरा, मनोज शर्मा, विनय सोनी, संदीप बिंवाल, पंकज मिश्रा, किशन स्वामी उपस्थित रहे। श्रीराम परिवार के सदस्यों ने बताया कि शोभायात्रा का आयोजन शहर के सभी नागरिकों के सहयोग से किया जा रहा है। उन्होंने सभी से शोभायात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान देने का आग्रह किया।

नहर की मांग को लेकर चल रहे किसान आंदोलन को 450 दिन पूरे

चिड़ावा (निसं)। सिंघाना सड़क मार्ग के लालचौक बस स्टैंड पर नहर की मांग को लेकर किसान सभा का धरना 450वें दिन में प्रवेश कर गया है। आज धरने की अध्यक्षता हमीरवास के किसान बहादुरमल गुर्जर ने की। आंदोलन में आज अगवाना के हरीश शर्मा क्रमिक अनशन पर बैठे। हमीरवास के बहादुर मल गुर्जर ने स्थिति की गंभीरता बताते हुए कहा कि क्षेत्र में पीने लायक पानी नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि पानी की कमी से खेती और पशुपालन दोनों प्रभावित हुए हैं। जमीन की गुणवत्ता खराब होने से कृषि योग्य नहीं रह गई है।किसानों की मांग है कि 1994 के अनुसार नहर का निर्माण किया जाए। इससे न केवल खेती-बाड़ी को बल मिलेगा, बल्कि आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। धरना समिति ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर नवसंवत्सर मनाने की योजना भी बनाई है। धरने में महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्षा सुनीता साईंपवार, तहसील अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चाहर, नहर आंदोलन प्रवक्ता विजेन्द्र शास्त्री सहित कई प्रमुख किसान नेता और स्थानीय लोग मौजूद रहे। आंदोलन में शामिल लोगों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, धरना जारी रहेगा।

चिड़ावा नगरपालिका का क्षेत्र बढ़ा

चिड़ावा (निसं)। राजस्थान सरकार ने चिड़ावा नगर पालिका की सीमाओं का विस्तार कर दिया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। नगर पालिका में पांच ग्राम पंचायतों के राजस्व क्षेत्रों को शामिल किया गया है। इनमें ग्राम पंचायत ओजटू के राजस्व ग्राम ओजटू और निजामपुर का पूरा क्षेत्र शामिल है। ग्राम पंचायत अरडावता के अंतर्गत खेमू की ढाणी का संपूर्ण सीमा क्षेत्र भी नगर पालिका में जोड़ा गया है। इसके अलावा डालमिया की ढाणी ग्राम पंचायत का पूरा राजस्व क्षेत्र भी अब नगर पालिका का हिस्सा बन गया है। अडूका ग्राम पंचायत का राजस्व क्षेत्र और सेहीकलां ग्राम पंचायत का संपूर्ण क्षेत्र भी नगर पालिका में शामिल कर लिया गया है। 2011 की जनगणना के अनुसार इन क्षेत्रों की कुल जनसंख्या 17,125 है। यह विस्तार राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 3 के तहत किया गया है। निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव इंद्रजीत सिंह ने राज्यपाल की आज्ञा से इस अधिसूचना को जारी किया है।

स्वच्छता का संदेश दिया

सादुलपुर, (निसं)। पंचायत समिति राजगढ बलॉक में स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण योजना के तहत बुधवार को जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणाख्मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्वेता कोचर एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी दुर्गा ढाका के निर्देशानुसार ग्राम पंचायतों में घर-घर कचरा संग्रहण कार्य हेतु पंचायत समिति राजगढ के विकास अधिकारी राजेन्द्र जोईया द्वारा स्वच्छता से संबधित गतिविधियों पर चर्चा की गई। वहीं इसी अभियान के तहत ग्राम पंचायत लम्बोर बडी, सांखू, हरपालू कुबडी, सिद्धमुख, कालानाताल एवं ढाणी बडी में सरपंच एवं ग्राम विकास अधिकारी द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण कार्य तथा सडकों व गलियों की साफ-सफाई का कार्य कर विकास अधिकारी राजेन्द्र जोईया के निर्देशानुसार पुराने कचरे के ढेर व नालियों की सफाई की गई तथा सफाई अभियान चलाकर पंचायत समिति स्तर से प्रभारी द्वारा उक्त गतिविधियों की प्रभावी निगरानी की जा रही है।

दो विद्यार्थियों का नवोदय स्कूल में चयन

चिड़ावा (निसं)। लोहिया शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित लोहिया सैनिक मिलिट्री एकेडमी के 2 विद्यार्थियों का चयन नवोदया स्कूल के लिए चयन हुआ है। संस्था चेयरमैन राम सिंह नेहरा ने बताया की प्रज्ञा पुत्री श्याम लाल वालिया, एकता पुत्री संजय कुमार का चयन नवोदया स्कूल के लिए हुआ है। संस्था चेयरमैन राम सिंह नेहरा, निदेशक जगपाल सिंह यादव, नगरपालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, संस्था सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे, प्रधानाचार्या प्रमिला झाझड़िया, कोचिंग प्रभारी अनुज चौहान,पूरणमल गजराज कॉर्डिनेटर प्रदीप शर्मा ने सभी चयनित विद्यार्थियों को माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर कर सम्मान किया। इस अवसर पर सैनिक एकेडमी अध्यापक ओमप्रकाश, हरीश कुमार, गौतम, विजेन्द्र कुमार, अनुज शर्मा, सिमरन कविया, सुमन नेहरा, ममता जांगिड़, मुकेश सैनी आदि का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टॉफ सदस्य व विद्यार्थी मौजूद रहे।

निशान शोभायात्रा 30 को

चिड़ावा (निसं)। आगामी नवरात्र के पावन अवसर पर मेढ़ स्वर्णकार समाज की ओर से भव्य निशान शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह शोभायात्रा 30 मार्च 2025 को रविवार के दिन निकाली जाएगी। शोभायात्रा का प्रारंभ सुबह 11:15 बजे केवल दास जी मंदिर, गांधी चौक से होगा। यात्रा का समापन रेलवे स्टेशन स्थित माता रानी के प्राचीन मंदिर पर होगा, जहां निशान चढ़ाए जाएंगे। स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राजेश भामा और उपाध्यक्ष कृष्ण कांत सोनी ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ इस धार्मिक आयोजन में शामिल हों। उन्होंने कहा कि निशान चढाकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करने का यह एक पावन अवसर है।

किसानों की समृद्धि से ही देश-प्रदेश की खुशहाली संभव : सहारण

राजस्थान दिवस के उपलक्ष में किसान सम्मेलन व एफपीओ कार्यक्रम आयोजित हुआ।

चूरू (निसं)। राजस्थान दिवस के उपलक्ष में बुधवार को किसान सम्मेलन व एफपीओ कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रदेश स्तर पर बीकानेर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किसान सम्मेलन व एफपीओ कार्यक्रम का प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिला मुख्यालय पर टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम वीसी के जरिए प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम से जुड़ा रहा। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, एडीएम अर्पिता सोनी सहित अतिथि उपस्थित रहे। आत्मा उपनिदेशक राजकुमार कुलहरि, उद्यान उपनिदेशक डॉ. धर्मवीर डूडी, कॉपरेटिव डीआर सुनील मांडिया, पशुपालन संयुक्त निदेशक मदनलाल गहनोलिया, सहायक निदेशक कुलदीप शर्मा, कॉपरेटिव एमडी मदनलाल शर्मा, कृषि अनुसंधान अधिकारी कविता बुड़ानिया, कृषि अधिकारी पूनम व रामामवतार शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि किसानों की समृद्धि से ही देश-प्रदेश की खुशहाली है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व की राज्य सरकार किसानों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाओं का संचालन कर रही है। राज्य सरकार द्वारा कृषि उपकरणों पर सब्सिडी, जल संरक्षण, फसल बीमा सहित कृषक हितार्थी योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जा रहा है। जिला प्रमुख वंदना आर्य ने कहा कि किसान देश की रीढ़ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कृषकों को समृद्ध बनाने के लिए सशक्त प्रयास कर रहे हैं। किसान जागरूक होकर केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। इस दौरान सुरेश सारस्वत, सीपी शर्मा, सीताराम लुगरिया, एसीपी नरेश टुहानिया, बजरंग कस्वां सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रभुदयाल सैनी ने किया।

किसानों को किया चेक वितरण:- जिला स्तरीय कार्यक्रम में अतिथियों ने परमेश्वरी देवी, मांगू सिंह, मनीराम, ओमप्रकाश, विद्याधर, नानूराम, सहीराम, चुन्नीलाल, रणवीर सिंह आदि जिला स्तर के प्रगतिशील किसानों, प्याज भंडारण के लिए संदीप, ग्रीन हाउस के लिए पृथ्वी सिंह, सोलर पंप संयत्र के लिए श्योकरण, फव्वारा संयत्र के लिए मनीराम, पीएम किसान योजना अंतर्गत मनीराम, दौलतराम, फरियाद खान, बलबीर, बजरंग तथा उष्ट्र संरक्षण योजना अंतर्गत जितेन्द्र सिंह को चेक वितरित किए।

किसानों को दिन में बिजली देने का काम करेंगे:- कार्यक्रम में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषक कल्याण के प्रतिबद्ध है। हम किसानों को दिन में बिजली देने का काम करेंगे। किसानों की समस्याओं के निस्तारण व उनके संसाधनों के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि एफपीओ के माध्यम से आज किसानों को उनकी उपज के बेहतरीन दाम मिल रहे हैं। उपखंड अधिकारियों को गांव-गांव में किसानों व आमजन की समस्याएं सुनने के लिए कैंप लगाने के लिए निर्देश दिए जा रहे हैं। इसी के साथ अभूतपूर्व निर्णयों से सरकार किसानों को आगे बढा रही है।

सिंजारा का आयोजन

रतनगढ़ (निसं)। शहर में महिलाओं व किशोरियों द्वारा गणगौर का पर्व आस्था भक्ति भाव से मनाया जा रहा है। शहर में गणगौर गीतों का गायन प्रात: गणगौर पूजन से शुरू होता है जो साय बनोरा व रात्रि में लोकगीतों से जारी रहती है। रिनी कुएं के पास मोहल्ले की महिलाओं द्वारा सामूहिक गणगौर बनोरा व सिंजारा का आयोजन आस्था व भक्ति भाव से किया गया। महिलाओं व नवयौवनाओं ने लोकगीत गाकर गौर माता की पूजा अर्चना करके सुख समृद्धि की कामना की। महिला मंडल अध्यक्ष किरण देवी, रेखा पारीक ने बताया कि गणगौर पर्व महिलाओं के लिए अखंड सौभाग्य प्राप्ति का पर्व है तथा विवाह योग्य किशोरियां मनपसंद भावी जीवनसाथी को पाने के लिए गणगौर पूजन करती है। उन्होंने संतोष सारस्वत की ओर से सभी का आभार भी प्रकट किया। इस अवसर पर पारंपरिक परिवेश में महिलाओं युवती योंगकांग ने गणगौर के लोक गीतों का आनंद लिया गीतों की प्रस्तुति से सभी को भाव विभोर किया। आयोजित कार्यक्रम में नानी बाई रो मायरो वाचक कोमल किशोरी ने उपस्थित महिलाओं को संकीर्तन कराया। इस अवसर पर मंजुलादेवी चाकलान, संतोष नौहाल, दुर्गा देवी, सुरभि सारस्वत,नूतन पुरोहित आदि उपस्थित थी।

राजकीय विधि महाविद्यालय चूरू में इंटरेक्टिव स्मार्ट बोर्ड का शुभारंभ

राजकीय विधि महाविद्यालय चूरू में इंटरेक्टिव स्मार्ट बोर्ड का शुभारम्भ महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. डॉ एस.के.सैनी के कर कमलों द्वारा किया गया।

चूरू (निसं)। राजकीय विधि महाविद्यालय चूरू में इंटरेक्टिव स्मार्ट बोर्ड का शुभारम्भ महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.(डॉ) एस.के.सैनी के कर कमलों द्वारा किया गया।

प्राचार्य डॉ. सैनी ने बताया कि श्री राजीव उपाध्याय सचिव, श्री गांधी बाल निकेतन, रतनगढ़ की प्रेरणा से श्री प्रदीप सराफ रतनगढ़ हाल कोलकता द्वारा महाविद्यालय को एक इंटरेक्टिव स्मार्ट बोर्ड भेन्ट किया गया। जिससे डिजिटल क्लास लेने में आसानी होगी व बच्चे विधि के ज्ञान को ज्यादा अच्छे से समझ पायेगें साथ ही डॉ. सैनी ने भेंटकर्ता श्री प्रदीप जी सराफ व प्रेरित करने वाले श्री राजीव जी उपाध्याय को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सहायक आचार्य श्री धीरज सक्सैना, महाविद्यालय कें स्टाफ महेन्द्र शर्मा, सूर्य प्रकाष, प्रषान्त, राजेन्द्र सिंह राठैड़, विकास प्रजापत सहित कमल पंवार, हितेष सोनी, पियुष लाटा, ऋषिकेष, उम्मेद, विकास, आषिष, भावना, कोमल जांगिड, सारा खान, श्रष्टी, चंचल पिपलवा, ममता, पूनम, आरती, सुषिला, लतिका शर्मा सहित छात्र-छात्रा मौजूद रहे।

धरना 36 दिन बाद स्थगित, मांगों को लेकर सहमति बनी

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर में राजकीय चिकित्सालय में लंबे समय से चल रहे डॉक्टरों के रिक्त पदों को लेकर इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स पत्रकार संघ राजलदेसर व आमजन के द्वारा चल रहा धरना 36 वें दिन स्थगित हुआ।

धरने पर चिकित्सा विभाग के निदेशक देवेंद्र चौधरी के आदेशानुसार मंगलवार देर शाम को रतनगढ़ के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शर्मा , ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष तिवाडी धरना स्थल पर आकर वार्तालाप की एवं उन्होंने सीएचसी में 1 डॉक्टर स्थाई व एक डॉक्टर को दाऊदसर से डॉ. तेयब को राजलदेसर चिकित्सालय में सेवा देने का आदेश जारी किया व ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष तिवाडी सप्ताह में एक बार सेवाएं देगें । इसके अलावा अप्रैल माह में दो डॉक्टर परमानेंट ओर लगाने की बात कही । इसके अलावा मई -जून माह में सभी डॉक्टरों रिक्त पद भरने की सम्भावना जताई। जिसको लेकर पत्रकारों ने धरना स्थगित किया। इसके अलावा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर अवगत कराया की राजकीय चिकित्सालय को 50 बेड का हॉस्पिटल किया जाए व चिकित्सा परिसर को नवीनीकरण को लेकर ज्ञापन दिया इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी पत्रकारों का माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य की कामना की। वरिष्ठ पत्रकार ललित दाधीच ने 36 दिन चले धरने में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी कस्बे वासियों का राजनीतिक दलों का व प्रशासन का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

कस्बेवासियों ने भी पत्रकारों का भव्य स्वागत करके आभार जताया। इस अवसर पर पत्रकार संघ के अध्यक्ष मदन दाधीच, महासचिव विनोद भाटिया, सचिव मनोज सोनी, उपाध्यक्ष शिवभगवान सोनी, कार्यालय प्रभारी रामोतार पांडे ,श्रवण आचार्य सहित पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन बोथरा, कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष लाभचंद सोनी , प. उमाशंकर दाधीच , भुवनेश्वर शर्मा, शंकर खडोलिया, रतनलाल बारूपाल, दौलतराम जाट, श्रवण सैनी, पवन मारू, राजेश स्वामी, सुनील मारू, मनीष सोनी ,कन्हैया लाल सैनी, राकेश दाधीच, पवन प्रजापत, विनोद सैनी, कैलाश सोनी, इकबाल, नंदलाल, सुरेंद्र सैनी, भवानी सैनी व अनेकों कस्बेवासी उपस्थित रहे।

'शिक्षा के क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं होगी'

विधायक हरलाल सहारण ने राजकीय सर्वहितकारिणी पुत्री पाठशाला उच्च मा. विद्यालय भवन के चार कक्षा-कक्षों का शिलान्यास किया।

चूरू (निसं)। राजकीय सर्वहितकारिणी पुत्री पाठशाला उच्च मा. विद्यालय भवन के चार कक्षा-कक्षों का शिलान्यास बुधवार को विधायक हरलाल सहारण ने किया।

संस्था प्रधान निशा अजमेरा ने बताया कि समाज सेवी और कपड़ा व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुनील भाऊवाला के अथक प्रयासों से ही यह संभव हुआ है। सुनील भाऊवाला ने बताया कि विधायक कोटे से दो कक्षा-कक्ष व राज्य सरकार की ओर से दो कमरे स्वीकृत हुए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए धन की कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस विद्यालय में और कमरे स्वीकृत करवाये जाएंगे। विधायक ने कहा कि इस विद्यालय को उत्कृष्ट विद्यालयों में स्थापित किया जाएगा।

इस अवसर पर पं. उमेश व्यास ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा अर्चना करवायी। संस्था प्रधान निशा अजमेरा ने गणेश पूजा व भगवान विष्वकर्मा पूजन करवाया। कार्यक्रम में कपड़ा व्यापार मण्डल अध्यक्ष सुनील भाउवाला ने नगरश्री सचिव श्यामसुन्दर शर्मा, सुरेश सारस्वत व चन्द्रपकाश शर्मा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान शारीरिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राम सिंह सिहाग, राजेश कुमार कस्वां, सुभाषचन्द्र शर्मा, गिरधारीलाल, पवन कुमार, राजकुमार सिंह, सुशीला, मंजू सोनी, अभिलाषा भाटी, उषा सोनी, अभिलाषा खेमका, जमना शर्मा, सुभाष कस्वां, अनिल कानखेड़िया, रमेश पारीक, हिंदुस्तान स्काउट गाइड के जिला ऑर्गेनाइजर कुलदीप गोयल, सुधाकर सहल, सुनील व्यास, मदन पंवार, विजय शर्मा, विनोद फोगला व विनीत चोटिया सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य जन मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन आरती सामौर ने किया।

सार-समाचार

जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

मुकुंदगढ़, (निसं)। घोडीवारा बालाजी मंदिर बस स्टैंड पर रोडवेज बसों के ठहराव के लिए ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर रामावतार मीणा को ज्ञापन सौंपा। सामाजिक कार्यकर्ता राजेश धाभाई के नेतृत्व ग्रामीणों का प्रतिनिधि मंडल जिला कलेक्टर से मिला। इस दौरान सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि इस स्टैंड पर हनुमानजी का बहुत प्राचीन एवं बड़ा मंदिर है। यहां पर दूर दूर से यात्रियों का आना जाना लगा रहता है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र से आने जाने वाले छात्र-छात्राएं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारियों के लिए विभिन्न कोचिंग एवं लाइब्रेरी में पढ़ने जाते है उनको भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस परेशानी के मध्यनजर 22 जून 2023 को झुंझुनूं आगार प्रबंधक द्वारा द्रुतगामी एवं लोकल बसों का ठहराव के आदेश किए गए थे। लेकिन ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा इस स्टैंड पर बसों को ठहराव नहीं किया जा रहा है। बालाजी स्टैंड के लिए सवारी किसी आगार से टिकट लेकर बस में बैठती है तो उसके साथ कंडक्टर दुर्व्यवहार करके बीच रास्ते में उतार देते है एवं जहां पर टिकट खिड़की नहीं है। वहां से यात्रियों को इस स्टैंड के लिए बैठाया ही नहीं जाता। ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल को जिला कलेक्टर ने समस्या के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया गया।

145 मरीजों की मोतियाबिंद जांच

रतनगढ़ (निसं)। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रस्ट , शंकरा आई हॉस्पिटल व जिला अंधता निवारण समिति, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 25वां नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन बुधवार को माहेश्वरी भवन में हुआ। ट्रस्टी व शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में 145 मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 68 मरीजों का चयन नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया व शेष मरीजो को नि:शुल्क दवाई दी । चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। वहां उनका ऑपरेशन गुरुवार को आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके का किया जाएगा। शिविर शुरू होने से पूर्व भगवान शंकर की प्रतिमा के आगे डॉ.नेहा,अनूप जोशी,एडवोकेट कमल सोनी, नरेश पेड़ीवाल, रमेशचन्द्र तापड़िया,प्रभु दयाल झंवर ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर नन्दकिशोर माटोलिया, पूर्णमल कम्मा,तेजपाल गुर्जर, मुरलीधर मण्डगिरा,महावीर रामगढ़िया, महेंद्र पारीक,राजकुमार सोनी आदि ने अपनी सेवाएं दी। आगुन्तक अथितियों का स्वागत राकेश जाजू ने किया।

चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

तारानगर (निसं)। पवित्र एमएसजी गुरुमंत्र भंडारा दिवस की खुशी में शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल सिरसा में एक विशाल जनकल्याण परमार्थी चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें आस-पास के हजारों मरीजों ने शामिल होकर इसका फायदा उठाया। शिविर में शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सकों के अलावा देश के अलग-अलग राज्यों से पहुंचे विभिन्न बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को परामर्श दिया। चिकित्सकों व शाह सतनाम जी ग्रीन एस वेलफेयर कमेटी के सदस्यों ने धन-धन सतगुरु तेरा ही आसरा का नारा व अरदास का शब्द बोलकर शिविर का शुभारंभ किया। मरीजों को निशुल्क दवाईयाँ दी गई। शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल स्थित पूज्य बापू मग्घर सिंह जी इंटरनेशनल ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर भी लगाया गया। जिसमें डेरा अनुयायियों की ओर से रक्तदान कर पावन भंडारे की खुशियां मनाई गई।

सीएलजी की बैठक आयोजित

मुकुंदगढ़, (निसं)। स्थानीय पुलिस थाना परिसर में सीएलजी व शांति समिति सदस्यों की बैठक थानाधिकारी सरदारमल यादव की अध्यक्षता में हुई। इस मौके पर थानाधिकारी यादव ने ईद उल फितर, गणगौर, रामनवमी, महावीर जयंती, हनुमान जयंती आदि पर्व-त्यौहारों को आपसी सौहार्द और भाईचारे से मनाने का आ ान किया। उन्होंने आमजन से पुलिस का सहयोग करने की बात भी कही। बैठक में रामकुमार सिंह, राजपाल दूलड़, आदित्यनारायण सुरोलिया, ओमप्रकाश, मुमताज खान, हुसैन खान डूंडलोद, मुकेश पारीक डूंडलोद, सचिन सैनी, सतपाल सिंह शेखावत, ओमप्रकाश बिर्ख, ताराचंद कुमावत, कुलदीप सांखला, विनोद स्वामी, हरफूलसिंह, बबलू शर्मा, नवीन कुमार आदि मौजूद रहे।

रोजा इफ्तार की दावत दी

सूरजगढ़, (निसं)। रमजान के पाक महीने में सूरजगढ के वार्ड दो के मदरसे में रोजेदारों को दावत ए रोजा इफ्तार पार्टी देकर रोजा खुलवाया। मौके पर रोजेदार सहित पार्षद नरेंद्र शेखावत, पूर्व पार्षद बाबूलाल चेतीवाल, पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र चेतीवाल, पूर्व पार्षद अशोक सैन, महेश बड़सीवाल, गिरधारीलाल बडगुर्जर, भूपेश शर्मा, एडवोकेट बबलू सैनी, दिलीप सैनी सहित मुस्लिम समाज के लोगों ने भाग लिया। सभी लोगों ने कहा कि रमजान के पाक महीने में रोजेदार से रोजा खुलवाना बहुत ही पुण्य का कार्य है। इधर वार्ड दो की मस्जिद में पार्षद महावीर सैनी ने मुस्लिम समाज के बीच पहुंचकर रोजा खुलवाया।

उपमुख्यमंत्री का स्वागत किया

खिरोड, (निसं)। कस्बे के निकट काजलों की ढाणी में स्थित रूहेला फॉर्म हाउस पर प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवा नेता ताराचंद काजला के नेतृत्व में गुलदस्ता भेंटकर एवं गुलाब देवी व श्याना देवी के नेतृत्व में चुनड़ी ओढाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर खिरोड सरपंच महावीरप्रसाद भामू, रामावतार महला, मोहरसिंह दूत, नरेंद्र गढ़वाल, सुरेश थोरी, हरफूल पूनियां, सुभाष महला, धर्मपाल तारपुरा, डॉ. एमडी काजला, बीरबल धेथरवाल, शिवपाल काजला, अरुण सहित कई लोग मौजूद रहे।

सुंदरकांड पाठ की चौपाई बही

मुकुंदगढ़, (निसं)। डूंडलोद रोड पर स्थित श्री अष्ट विनायक धाम परिसर में बुधवार को संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। मंदिर पुजारी ने बताया कि श्याम मंडल पार्टी चूड़ी अजीतगढ़ द्वारा गायक तुलसीराम भाटी व जगदीश द्वारा पाठ किया गया। बाबा को भोग लगाकर महाआरती कर भक्तों को प्रसाद खिलाया गया। इस मौके पर राजकुमार वर्मा, उमादत्त शर्मा, विकास, संजीव, प्रकाश, हरिप्रसाद, शिवशंकर, दीपचंद, भारत, मनोज, उमाशंकर शर्मा सहित सैंकड़ों भक्तगण मौजूद थे।

RH

राजस्थान आवासन मंडल खण्ड झुंझुनूं

आवश्यक सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल की खण्ड झुंझुनूं के अधीन आवासीय योजनाओं के निम्न सूची में सम्बन्धित आवंटियों को मण्डल द्वारा किराया क्रय/ नकद भुगतान / स्ववित पोषित योजना/खुली विक्री योजना के अन्तर्गत आवास आवंटित किये थे। इन आवंटियों ने अपने आवास का विक्रय / हस्तानान्तरण अन्य व्यक्तियों को कर दिया है। आवास क्रय करने वाले व्यक्तियों ने आवास को अपने पक्ष में नियमितिकरण हेतु वांछित प्रपत्रों सहित आवेदन किया है। मण्डल द्वारा निम्न सूची में सम्मिलित आवास का मूल आवंटी के नाम से निरस्तीकरण / एवं क्रेता के पक्ष में नियमितिकरण के विरूद्ध यदि कोई हितकारी अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहे तो इस सूचना के प्रकाशन होने की दिनांक से 07 दिवस में झुंझुनूं के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। अन्यथा यह मानते हुये कि इन आवासों के मूल आवंटी / अन्य किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति नहीं है। मूल आवंटी के नाम से आवास निरस्त करते हुये क्रेता के पक्ष में नियमितिकरण किये जाने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी।

क्र.सं.	आवास संख्या	मूल आवंटी का नाम	क्रेता का नाम	योजना का नाम	शहर
1.	3/64	ज्योति	श्री विक्रम सिंह	चूरू	चूरू

जे.पी. वर्मा, अभियंता राजस्थान आवासन मंडल, खण्ड झुंझुनू

उत्तर पश्चिम रेलवे हॉल्ट एजेंट हेतु आमंत्रण सूचना

कमीशन आधार पर हॉल्ट एजेंट की नियुक्ति हेतु जन सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक, (वाणिज्य) उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर मण्डल के निम्नलिखित हॉल्ट स्टेशन के संचालन हेतु पाँच वर्ष की अवधि के लिए हॉल्ट स्टेशन क्षेत्र के स्थानीय निवासियों से, जो उस जिले के निवासी हो, जिसमे हॉल्ट स्टेशन स्थित है, तथा जो कमीशन आधार पर हॉल्ट एजेंट के रूप में कार्य करने के इच्छुक हो, से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

क्रम.सं.	हॉल्ट स्टेशन का नाम
1	सिरसिला

आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष दिनांक 21.04.2025 तक तथा दसवी पास हो । आवेदन पत्र मण्डल रेल प्रबन्धक, (वाणिज्य) उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर मण्डल कार्यालय में दिनांक 21.04.2025 को 17.00 बजे तक पहुँच जाने चाहिए। दिनांक 21.04.2025 (21 अप्रैल-2025) के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।

प्रार्थी आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्र संलग्न करेंगे (स्वयं द्वारा सत्यापित)
(1) दसवी पास शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र ।
(2) आयु का प्रमाण पत्र (18 वर्ष से अधिक)
(3) सरकारी अस्पताल के द्वारा जारी किया गया स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जिसमे स्पष्ट हो कि उनमे कार्य करने की क्षमता है तथा वे किसी बीमारी से पीड़ित नहीं है ।
(4) पुलिस सत्यापन प्रमाण पत्र ।
(5) स्थानीय निवासी का जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट से जारी मूल निवास प्रमाण पत्र

आवेदन के संबंध में विस्तृत जानकारी www.nwrindianrailways.gov.in. वैबसाईट से अथवा वाणिज्य शाखा, मण्डल कार्यालय, बीकानेर में किसी भी कार्य दिवस को प्राप्त की जा सकती है।

355-DR/25

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

मैंने 8 साल की उम्र में ही घर छोड़ दिया था और क्रिकेटर बनने के लिए इंदौर आ गया था। 10 साल की उम्र में छोटे-मोटे काम किए और किसी तरह अपना जीवन गुजारा। इस दौरान दूसरों के कपड़े भी धोने पड़े। **- आशुतोष शर्मा**

दिल्ली कैपिटल्स बल्लेबाज, अपने जीवन के परिश्रम के बारे में बताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

श्रेयस अय्यर

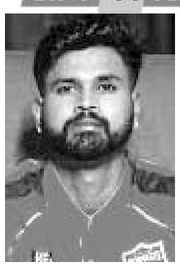

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के सामने 25 मार्च की शाम बड़ी चुनौती थी। नई टीम, नई जिम्मेदारी, नए चैलेंज के साथ-साथ 26 करोड़ 75 लाख रुपये के महंगे प्राइस टैग का भार। मगर दाएं हाथ के बैटर ने 97 रन की ऐसी नाबाद पारी खेली, दुनिया सजदे में सिर झुका रही है। अपनी सेंचुरी की परवाह न करते हुए उन्होंने टीम को तरजीह दी। जिसका नतीजा ये रहा है कि 243 रन बनाने के बाद उनकी टीम ने गुजरात टाइटंस को 232 रन पर रोक दिया और 11 रन से मैच जीता।

क्या आप जानते हैं ?... रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट में 3 दोहरे शतक जड़ चुके हैं और ऐसा करने वाले वो दुनिया के इकलौते बल्लेबाज हैं।

खेल परिषद् ने आरसीए एडहॉक कमेटी को नोटिस जारी किया

जयपुर, 26 मार्च। एक वर्ष से ज्यादा वक्त गुजरने के बाद भी आरसीए एडहॉक कमेटी द्वारा अपने लेटर हैड पर खेल परिषद् स्थित कार्यालय का पता दिये जाने को लेकर खेल परिषद् सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने आरसीए एडहॉक कमेटी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

केएल राहुल अगला मैच खेल सकते हैं

नई दिल्ली, 26 मार्च। केएल राहुल 30 मार्च को होने वाले दिल्ली कैपिटल्स के अगले मैच खेल सकते हैं। हाल ही में राहुल पिता बने है। 24 मार्च को उनके घर बेटी ने जन्म लिया था। इसकी वजह से वो टूर्नामेंट का पहला मैच नहीं खेल पाए थे। दिल्ली कैपिटल्स का दूसरा मैच सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ विशाखापट्नम में होने वाला है। केएल राहुल की पत्नी अथिया शेट्टी ने नवंबर 2024 में अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी।

टीबी जागरूकता के लिए सर्वदलीय सांसदों के साथ होंगे टी -20 क्रिकेट मैच

नई दिल्ली 26 मार्च। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि टीबी जागरूकता के लिए सर्वदलीय सांसदों के साथ देश के अलग-अलग शहरों में टी-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया जायेगा। सिंह ने बुधवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य रखा है। अभी हाल में दिल्ली में लोकसभा बनाम राज्यसभा सांसद और मुंबई में नेता बनाम अभिनेता टी-20 क्रिकेट मैच का सफल आयोजन किया जिसमें जनता ने बढ़-चढ़ कर अपनी भागीदारी दिखाई। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान के लिए देश के कोने-कोने में क्रिकेट मैच खेला जाएगा। उन्होंने कहा कि इन मैचों का मुख्य मकसद टीबी को हराना और यह संदेश हर नागरिक तक पहुंचाना है।

मुसेटी को हराकर जोकोविच मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में

फ्लोरिडा, 26 मार्च। सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बुधवार को इटली के लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। आज यहां बारिश के कारण देर से शुरु हुये मैच में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी जोकोविच ने लोरेंजो मुसेट्टी को 6-2, 6-2 से हराया। छह बार के मियामी खिताबधारी जोकोविच ने धीमी शुरुआत की और इसका फायदा उठाते हुए इटली के मुसेटी ने 2-0 की बढ़त बना ली। लेकिन इसके बाद सर्बियाई ने मैच पर पूरी तरह से अपना दबदबा बना लिया। महिलाओं के ड्रॉ में, इटली की छठी वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने पोलैंड की मैग्डा लिनेट को 6-3 6-2 से हराकर अंतिम-चार में जगह बनाई।

प्रदीप जून और साहिस्ता ने पावरलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक जीते

नई दिल्ली, 26 मार्च। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता बुधवार को प्रदीप जून और साहिस्ता ने स्वर्ण पदक जीते। केआईपीजी 2025 के सातवें दिन आज हरियाणा के प्रदीप जून ने 107 प्लस किलोग्राम वर्ग में 194 किलोग्राम भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता। आज पदक तालिका के अनुसार हरियाणा 31 स्वर्ण पदक जीतकर शीर्ष पर था। तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश क्रमश: 26 और 22 पदकों के साथ दूसरे स्थान और तीसरे स्थान पर थे। प्रदीप के अलावा, दिल्ली की साहिस्ता ने भी पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने राजस्थान रॉयल्स को आठ विकेट से हराया

गुवाहाटी, 26 मार्च। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद क्विंटन डी कॉक (नाबाद 97) की विस्फोटक पारी के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के छठे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 15 गेंदें शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

151 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मोईन अली और क्विंटन डी कॉक की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। सातवें ओवर में मोईन अली (पांच) पर रनआउट हो गये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये अजिंक्य रहाणे (15) को हसरंगा ने आउट कर राजस्थान को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद अंगकृष रघुवंशी और क्विंटन डी कॉक की जोड़ी ने तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की अविजित साझेदारी कर कोलकाता को

17.3 ओवर में 153 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दिला दी। डीकॉक ने 61 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के लगाते हुए (नाबाद 97) रनों की पारी खेली। अंगकृष रघुवंशी 17 गेंदों में 22 रन बनाकर नाबाद रहे।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से एकमात्र विकेट वानिंदु हसरंगा को मिला।

इससे पहले आज यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स के लिए यशस्वी जयसवाल और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 33 रन जोड़े। चौथे ओवर में वैभव आरोड़ा ने सैमसन (13) को बोल्डकर कोलकाता को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रियान पराग को वरूण चक्रवर्ती ने आठवें ओवर में विकेटकीपर डीकॉक के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। रियान ने 15 गेंदों में तीन छक्के लगाते हुए (25) रन बनाये। अगले ही ओवर में मोईन अली ने यशस्वी जयसवाल को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

लियोनल मेसी के साथ अर्जेंटीना फुटबॉल टीम इस साल भारत आएगी

नई दिल्ली, 26 मार्च। भारतीय फुटबॉल फैंस के लिए अच्छी और बड़ी खबर है। दरअसल, दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलरों में शुमार लियोनल मेसी अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के साथ भारत आएंगे। अर्जेंटीन टीम इसी साल में मैच खेलने आएगी। बता दें कि, मेसी इससे पहले 2011 में आखिरी बार भारत आए थे, अब 14 साल बाद फुटबॉल स्टार वापस भारत आ रहे हैं। इंडिया ने एक बयान में कहा है कि, अर्जेंटीना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अक्टूबर 2025 में एक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी मैच केलिए भारत का दौरा करेगी। इस टीम में स्टार प्लेयर लियोनल मेसी भी शामिल होंगे।करार के तहत अर्जेंटीन टीम भारत के केरल में इसी साल अक्टूबर में एक फ्रेंडली मैच खेलने आएगी। ये मैच केरल के कोच्चि में खेला जाएगा। एएफए के अध्यक्ष क्लाउडियो फैबियन तापिया ने इस करार को टीम के अंतर्राष्ट्रीय विस्तार में एक नया मील का पत्थर बताया है।इससे पहले लियोनल मेसी आखिरी बार सितंबर 2011 में भारत दौरे पर आए थे। उस समय अर्जेंटीना फुटबॉल टीम ने कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला टीम के खिलाफ मैच खेला था। दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 1-0 से जीत हासिल की थी।

// पहली बार खिलाड़ियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन //

22 खेल अकादमियो की चयन स्पर्धा का आयोजन 7 अप्रेल से

जयपुर, 26 मार्च। राजस्थान सरकार के युवा मामले एवं खेल विभाग एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद जयपुर द्वारा राज्य में संचालित 22 खेल अकादमियों के लिए चयन स्पर्धा वर्ष सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में 7 से 21 अप्रेल तक आयोजित की जाएगी। चयन स्पर्धा में भाग लेने वाले खिलाडियों का पहली बार ऑनलाइन रजिस्टेशन किया जायेगा। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव, राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि नवीन सत्र 2025-26 के लिए इच्छुक बालक व बालिका खिलाड़ी अपना आवेदन पत्र:- rajasthan-state-sports-council-netlify.app तथा क्रीड़ा परिषद् की वेब साइट RSSC.IN पर इस लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उन्होने बताया कि खिलाड़ी आवेदन पत्र ऑनलाइन भरकर डाउनलोड कर प्रिंट के साथ मेडिकल हेल्थ फिटनेस प्रमाण पत्र जो लिंक के माध्यम से डाउनलोड कर सकते है। आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, गत क्लास की अंक तालिका, पासपोर्ट्स साइज दो फोटो, मूल निवास प्रमाण पत्र खेल प्रमाण पत्र की छाया प्रति आदि चयन स्पर्धा के समय साथ में लाना अनिवार्य होगा। आवेदन करने वाले बालिका खिलाड़ी की आयु 1 जनवरी 2025 को न्यूनतम 13 वर्ष, अधिकतम 17 वर्ष व बालक खिलाड़ी की आयु न्यूनतम 12 वर्ष व अधिकतम 16 वर्ष व बास्केटबॉल में सीनियर बालक वर्ग में न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 20 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है।

उन्होने बताया कि क्रीड़ा परिषद द्वारा संचालित खेल अकादमी में विद्यमान प्रशिक्षणार्थी खिलाड़ियों के लिए अधिकतम आयु सीमा उनके परिणाम के आधार पर 20 वर्ष होगी व बालक सीनियर वर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 23 वर्ष होगी। सीनियर बालक बास्केटबॉल अकादमी जैसलमेर में प्रवेश के लिए नेशनल मेडलिस्ट खिलाड़ियों को ही रखा जावेगा, जिसमें एसजीएफआई मेडलिस्ट/विश्वविद्यालय जोनल मेडलिस्ट/सीनियर नेशनल प्रतियोगिता का प्रतिभागी या ओपन नेशनल प्रतियोगिता में मेडलिस्ट खिलाड़ी को ही चयन स्पर्धा में सम्मिलित किया जाएगा।

राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि 7 व 8 अप्रेल 2025 को बालिका फुटबॉल अकादमी कोटा, बालक फुटबॉल अकादमी जोधपुर, बालक कुश्ती अकादमी भरतपुर, बालक साइकलिंग अकादमी बीकानेर की चयन स्पर्धा आयोजित होगी। 9 व 10 अप्रैल 2025 को बालक एथलेटिक्स अकादमी श्रीगंगानगर, बालिका एथलेटिक्स अकादमी जयपुर, बालक एथलेटिक्स अकादमी प्रस्तावित अजमेर, पैरा खेल अकादमी एथलेटिक्स एवं पावरलिफ्टिंग जयपुर की चयन स्पर्धा आयोजित होगी। उन्होने बताया कि 15 व 16 अप्रैल 2025 को बालिका वालीबॉल अकादमी जयपुर, बालक वालीबॉल अकादमी झुन्झनू, बालिका तीरंदाजी अकादमी जयपुर, बालक तीरंदाजी अकादमी उदयपुर व डूंगरपुर की चयन स्पर्धा आयोजित होगी। 17 व 18 अप्रैल 2025 को बालिका हॉकी अकादमी अजमेर, बालक हॉकी अकादमी जयपुर, बालक कबड्डी अकादमी करौली, बालक व बालिका कबड्डी अकादमी चुरु की चयन स्पर्धा आयोजित होगी। 20 व 21 अप्रैल 2025 को बालक बास्केटबॉल अकादमी जैसलमेर, सीनियर बास्केटबॉल अकादमी पुरुष वर्ग जैसलमेर, बालिका बास्केटबॉल अकादमी जयपुर, बालिका हैंडबॉल अकादमी जयपुर बालक हैंडबॉल अकादमी जैसलमेर कि चयन स्पर्धा आयोजित की जायेगी।

डीडीए ने डीटीसी को हराया

नई दिल्ली 26 मार्च। डीएसए इंस्टिट्यूशंन लीग में बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने डीटीसी को हराया। वहीं इससे पहले खेला गया दिल्ली ऑडिट और भारतीय खाद्य निगम मुख्यालय के बीच मैच ड्रा रहा।

विनोद नगर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स मैदान पर खेले गए दिन के पहले मुकाबले में बीते कल के सितारा खिलाड़ियों से सजे दिल्ली ऑडिट और भारतीय खाद्य निगम मुख्यालय के मध्य खेला गया सांस्थानिक फुटबाल लीग का उद्घाटन मैच गोल शून्य बराबरी पर समाप्त हुआ। दूसरे मैच में दिल्ली विकास प्राधिकरण ने आकाश बिष्ट और विवेक के गोलों से डीटीसी पर 2-0 की जीत दर्ज की। पूर्व फुटबॉलर और कोच अनादी बरुआ ने लीग का उद्घाटन किया । इस अवसर पर डीएसए के कोषाध्यक्ष लियाकत अली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

के. एम. रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी

उदघाटन मैच में मोहित भगतानी व आर्यन जैन के नाबाद शतक

जयपुर, 26 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में आज से के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए तीन दिवसीय मैच के पहले दिन एस के आई टी इलेवन टीम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अनिल सैनी के 46 रन, शिफॉन खान के 35 रन, केशव डीडवानिया के 72 रन, मोहित भगतानी के नाबाद 135 रन (188 गेंद, 21 चौके), आर्यन जैन के नाबाद 123 रन (166 गेंद, 21 चौके) के बीच 5वे विकेट के लिए 252 रनों की नाबाद साझेदारी की बदौलत पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 90 ओवर में 4 विकेट पर 426 रनों का स्कोर बनाया। एम जे जे ग्रुप की टीम के लिए मेहुल पारीक ने 94 पर 2, आदित्य झाला व अभिषेक यादव ने 1 - 1 विकेट लिए। मैच से पूर्व मुख्य अतिथि मुकुंद रूंगटा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व रणजी खिलाड़ी डॉ हेमेंद्र सुराणा, पूर्व रणजी कप्तान विनोद माथुर, पूर्व रणजी कप्तान संजय व्यास, पूर्व रणजी कप्तान मोहम्मद असलम, पूर्व रणजी कप्तान राहुल कांवट, पूर्व रणजी कप्तान अनिकेत चौधरी, राजस्थान क्रिकेट संघ के पूर्व सीईओ अनंत व्यास, पूर्व रणजी खिलाड़ी गौरव शर्मा, तदर्थ समिति के कन्वीनर सुरेश शर्मा, पूर्व रणजी कप्तान व तदर्थ समिति सदस्य रोहित झालानी, सदस्य लोकेश जैन, ओम शर्मा, तपेश कौशिक, सलीम कामरेड, सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अमित गोदारा का जयपुर पहुंचने पर स्वागत

जयपुर, 26 मार्च। थाईलैंड में 20 मार्च से खेली गई बीच सॉकर एशिया कप 2025 फुटबॉल प्रतियोगिता में भारतीय बीच सॉकर टीम का हिस्सा रहे राजस्थान के स्टार खिलाड़ी अमित गोदारा का आज जयपुर पहुंचने पर सिविल लाइंस स्थिति राजस्थान फुटबॉल संघ के कार्यालय तथा सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान खेल परिषद् के कार्यालय पर शानदार स्वागत किया गया, स्वागत में शासन सचिव खेल एवं युवा मामलात नीरज के. पवन, राजस्थान खेल परिषद् सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया, राजस्थान फुटबॉल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत, चेयरमैन रोशनी टाक सहित फुटबॉल से जुड़ी कई बड़ी हस्तियां मौजूद रही। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि गोदारा का चयन पोरबंदर में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में दमदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ, शिविर में पूरे भारत के 75 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चयनित किया गया था जिनमें से योग्यता के आधार 12 खिलाड़ियों को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। रोशनी टाक ने कहा कि अमित गोदारा राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ बीच सॉकर प्लेयर है जिसने गत वर्ष आयोजित

सॉकर एशिया कप 2025 फुटबॉल प्रतियोगिता में भारतीय बीच सॉकर टीम का हिस्सा रहे राजस्थान के स्टार खिलाड़ी अमित गोदारा।

राष्ट्रीय बीच सॉकर प्रतियोगिता में पूरे भारत में सबसे अधिक गोल किए थे तथा भारत की तरफ से खेलते हुए लेबनान के विरुद्ध भी एक गोल किया। नीरज के पवन और राजेंद्र सिंह सिसोदिया ने राजस्थान फुटबॉल संघ की प्रसंशा करते हुए अमित गोदारा को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। साथ में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जसवंत सिन्हा हनुमानगढ़ जिला संघ के अध्यक्ष सुनील राव भी मौजूद थे ओर राजस्थान सरकार के खेल कोटा से चयनित होकर अमित वर्तमान में राजस्थान पुलिस टीम का खिलाड़ी है।

पैरालिंपिक पदक के बिना अधूरी हूँ मैं : भाग्यश्री जाधव

नई दिल्ली, 26 मार्च। राष्ट्रीय राजधानी में चल रहे खेलो इंडिया पैरा गेम्स में गोला और भाला फेंक स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली भाग्यश्री जाधव का कहना है कि 'पैरालंपिक पद के बिना मैं अधूरी हूं। टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 खेलों में पदक से चूकने के बाद भाग्यश्री को उम्मीद है कि जब वह लॉस एंजिल्स (एलए) 2028 में प्रतिस्पर्धा में भाग लेंगगी तो किस्मत उनका साथ देगी। महाराष्ट्र की 37 वर्षीय भाग्यश्री को प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से लगाव हो गया है, जो दूसरे खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 में ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं का स्थल है। व्हीलचेयर पर चलने वाली भाग्यश्री ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स में गोला और भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते। इससे यह पता चलता है कि वह शानदार फॉर्म में हैं। एफ 33-34 श्रेणी (निचले अंगों में दिव्यांगता) में भाग लेते हुए, भाग्यश्री ने पिछले डेढ़ साल में तीन स्पर्धाओं में छह स्वर्ण पदक जीते हैं। भाग्यश्री ने रविवार को गोला फेंक स्पर्धा में 7.30 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। इससे पहले उन्होंने भाला फेंक प्रतियोगिता में 13.57 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया।

ब्राजील को हराकर अर्जेंटीना ने फीफा विश्वकप 2026 के लिए किया क्वालीफाई

ब्यूनस आयर्स, 26 मार्च। अर्जेंटीना ने एक क्वालीफायर मुकाबले में ब्राजील को करारी शिकस्त देते हुए फीफा विश्वकप 2026 में अपनी जगह बना ली हैं। एस्टाडियो मोनुमेंटल के सुपरक्लासिको में मंगलवार को खेले गये मुकाबले में अर्जेंटीना ने ब्राजील पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। लियोनेल मेस्सी की गैरमौजूदगी में, लियोनेल स्कालोनी के खिलाड़ियों ने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर के 14वें दौर में प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

जूलियन अल्वारेज ने चौथे मिनट में अपना पहला गोल दागा। इस गोल के साथ ही घरेलू दर्शकों खुशी से झूम गये। इसके बाद एन्जो फर्नांडीज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर और गिउलिआनो शिमोन ने इस स्कोर में एक-एक गोल का इजाफा किया। इसी के साथ अर्जेंटीना का अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी ब्राजील पर दबदबा और मजबूत हुआ। पहले हाफ के बीच में ब्राजील के मैथियस कुन्हा एक गोल करने में सफल रहे, लेकिन यह महज सांत्वना साबित हुआ। ब्राजील ने पिछली बार नवंबर 2016 में अर्जेंटीना को हराया था। इसी के साथ ही अर्जेंटीना, जापान, न्यूजीलैंड और ईरान के बाद 2026 संस्करण के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी टीम बन गई। पिछले पांच मुकाबलों में अर्जेंटीना की ब्राजील के खिलाफ यह चौथी जीत है।

राजधानी

बीकानेर हाउस परिसर में राजस्थान उत्सव का उद्घाटन किया सी.एम.ने

नई दिल्ली/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में आयोजित नौ दिवसीय राजस्थान उत्सव-2025 एवं राजीविका क्राफ्ट फेयर और फूड फेस्टिवल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला, केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद सी.पी.जोशी, पी.पी.चौधरी, मदन राठौड़ सहित राजस्थान के एक दर्जन से अधिक सांसद मौजूद रहे।

कार्यक्रम के आरंभ में मुख्यमंत्री ने गणेश जी की प्रतिमा की आराधना कर दीप प्रज्वलित करके राजस्थान उत्सव 2025 का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने उत्सव में राजस्थान के विभिन्न अंचलों से आए लोक एवं हस्तकलाकारों द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया। उन्होंने कलाकारों से बातचीत कर उनका मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राजस्थान स्थापना दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए कहा कि चैत्र

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में दीप प्रज्वलित कर राजस्थान उत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला और केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत मौजूद थे।

शुक्ल प्रतिपदा के दिन पूर्व गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के मजबूत हाथों से ही राजस्थान की नींव रखी गई थी और आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान एक विकसित और समृद्ध राज्य के रूप में प्रगति कर रहा है।

मिराज समूह के पालीवाल को कोर्ट से मिली विदेश जाने की मंजूरी

जयपुर। जयपुर मेट्रो, द्वितीय की आर्थिक अपराध मामलों की एसीजेएम कोर्ट ने दो हजार करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी से जुड़े मामले में मिराज समूह के मदनलाल पालीवाल को 27 मार्च से 8 अप्रैल तक विदेश यात्रा पर जाने की मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने यह आदेश पालीवाल के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिया। कोर्ट ने प्रार्थी को कहा है कि वह विदेश यात्रा के दौरान अपने निवास का पता बताएगा। इसके साथ ही मोबाइल नंबर व ईमेल कोर्ट में पेश करेगा और विदेश से वापस आने के सात दिन में उपस्थिति भी दर्ज कराएगा। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता दीपक चौहान ने कहा कि अर्जेन्टीना में 27 मार्च से 8 अप्रैल तक होने वाले धार्मिक कार्यक्रम में मुरारी बापू की कथा आयोजित हो रही है। इस धार्मिक कार्यक्रम में प्रार्थी भी हिस्सा लेना चाहता है। इसके लिए कोर्ट की मंजूरी लेनी जरूरी है। इस संबंध में कोर्ट उस पर कोई भी शर्त लगाएगा वह उसे पूरा करेगा। वहीं यह भी अंडरटेकिंग देता है कि कोर्ट की न्यायिक कार्रवाई में प्रार्थी पूरा सहयोग करेगा।

गौधन संरक्षण के साथ रसायन मुक्त कृषि को बढ़ावा दें : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को जयपुर में अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद् द्वारा आयोजित राष्ट्रीय किसान एवं गौपालक सम्मेलन से पहले गौ पूजन किया और गाय को हरा चारा खिलाया।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत भूमि अन्नपूर्णा है। उन्होंने कहा कि फसल की वृद्धि एवं उससे उत्पादन लेने के लिए जो तत्व चाहिए वे सब भूमि में मौजूद हैं। उन्होंने गाय के गोबर का खाद के रूप में उपयोग कर रसायन मुक्त कृषि पद्धित को बढ़ावा देने का आव्हान किया। उन्होंने राजस्थान में देशी गाय के उपलब्ध दूध को महत्वपूर्ण बताया तथा गौ धन संरक्षण के लिए गौ शालाओं और अन्य किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की।

बागडे बुधवार को जयपुर में अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद् द्वारा आयोजित राष्ट्रीय किसान एवं गौपालक सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्र स्तरीय कृषि स्टार्टअप मेले के रूप में आयोजन को महत्वपूर्ण बताते हुए स्वदेशी तकनीकों को प्रोत्साहन देने, किसानों के उत्पादों के प्रमाणन और ब्रांडिंग के लिए भी कार्य करने का आव्हान किया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के विवादित आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास में शरीर के अंगों को पकड़ने व कपड़े खींचने को अपराध नहीं माना था

- जस्टिस बी.आर. गवई और ए.जी. मसीह की बैंच ने स्वतः संज्ञान लेकर हाईकोर्ट के फैसले को चौंकाने वाला बताया और असहमति जताई।

नयी दिल्ली, 26 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस विवादित आदेश पर बुधवार को रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की के स्तन पकड़ना, उसके पायजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश करना दुष्कर्म के प्रयास के अपराध की श्रेणी में नहीं आता। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने मामले पर स्वत: संज्ञान लेते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले से कड़ी असहमति व्यक्त की और इसे 'चौंकाने वाला' बताया।

न्यायमूर्ति गवई ने टिप्पणी की, यह एक गंभीर मामला है। न्यायाधीश (इलाहाबाद उच्च न्यायालय) की ओर से पूरी तरह असंवेदनशीलता बरती गई है। यह समन जारी करने के चरण में था। हमें न्यायाधीश के खिलाफ ऐसे कठोर शब्दों का उपयोग करने के लिए खेद है।

पीठ ने इन टिप्पणियों पर रोक लगाने का आदेश दिया और भारत संघ, उत्तर प्रदेश राज्य और उच्च न्यायालय की कार्यवाही में शामिल पक्षों को नोटिस जारी किए। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि हालांकि शीर्ष न्यायालय को आमतौर पर इस चरण में रोक लगाने में हिचक है, लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश के पैराग्राफ 21, 24 और 26 में की गयी टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों के विपरीत थीं और एक अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती थीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस बात पर सहमति जताते हुए कि यह एक 'चौंकाने वाला' फैसला था, उन्होंने कहा कि जिस तरह से मामले को लिया गया, वह बेहद गंभीर था। उन्होंने सुझाव दिया कि उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को रोस्टर के मास्टर के रूप में कदम उठाने चाहिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता की ओर से एनजीओ 'वी द वूमन ऑफ इंडिया' का प्रतिनिधित्व करते हुए विवादास्पद फैसले को उजागर करते हुए एक पत्र लिखे जाने के बाद मामला शीर्ष न्यायालय पहुंचा। एक अन्य एनजीओ 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस' ने कहा कि वह भी मामले में पीड़िता का प्रतिनिधित्व कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने कहा, एनजीओ 'वी द वूमन ऑफ इंडिया' ने हमारे संज्ञान में लाया कि 17 मार्च, 2025 को पारित फैसले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों से पता चलता है कि फैसले के लेखक में संवेदनशीलता की कमी है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह फैसला अचानक नहीं सुनाया गया, बल्कि करीब चार महीने तक इसे सुरक्षित रखने के बाद सुनाया गया। इसका मतलब यह है कि न्यायाधीश ने उचित विचार-विमर्श और दिमाग लगाने के बाद फैसला सुनाया। शीर्ष न्यायालय की पीठ ने कहा कि चूंकि टिप्पणियां कानून के सिद्धांतों से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं और पूरी तरह असंवेदनशील और अमानवीय दृष्टिकोण को दर्शाती हैं, इसलिए टिप्पणियों पर रोक लगाना मजबूरी है।

गौरतलब है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 17 मार्च-2025 को अपने आदेश में कहा था कि इस तरह के कृत्य प्रथम दृष्टया यौन अपराध बाल संरक्षण अधिनियम (पोस्को) के तहत गंभीर यौन उत्पीड़न का अपराध बनेंगे, जिसमें कम सजा का प्रावधान है।

कांग्रेस के 70 सांसद लोकसभाध्यक्ष बिड़ला से मिले

नयी दिल्ली, 26 मार्च। लोकसभा के कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई के नेतृत्व में पार्टी के 70 सदस्यों ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से उनके कक्ष में मुलाकात की और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की। गोगोई के साथ इस दौरान कांग्रेस महासचिव तथा पार्टी के लोकसभा सदस्य केसी वेणुगोपाल, लोकसभा में पार्टी के सचेतक मणिकम टैगोर सहित, पार्टी के 70 लोकसभा सदस्यों ने बिरला से मिलकर गांधी को बोलने नहीं दिए जाने का मुद्दा उठाते हुए विरोध दर्ज किया।

पेपर लीक केस, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परीक्षाओं के पेपर लीक करने लग गया। कनिष्ठ अभियंता भर्ती परीक्षा 2020 के दौरान भी इन सभी ने पेपर लीक किया था, जिससे परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी। राजेन्द्र कुमार यादव इस स्कूल में परीक्षा प्रभारी था और उसने स्ट्रांग रुम में यूनिक भाम्बू को प्रवेश करवाकर मोबाइल से पेपर की फोटो खिंचवाई थी। राजेन्द्र कुमार यादव ने पेपर लीक के जरिए एक बेटे को पी.डब्ल्यू.डी. में इंजीनियर बनवाया तथा बहू को महारानी स्कूल में फर्स्ट ग्रेड टीचर बनवाया था।

अमेरिका से आयातित सामान पर भारत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- फैडरेशन ऑफ इण्डियन एक्सपोर्ट ऑर्गजाइज़ेशन ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि सरकार उनकी मदद करे, ताकि वे भारत में निर्मित सामान को अमेरिका में "डिस्प्ले" कर सकें। उदाहरण के लिये भारतीय बिज़नैस के लिए, अमेरिका के ट्रेड-एक्सपो में भाग लेना आसान करे।

हो रही, अमेरिका ग्लोबल टैरिफ पॉलिसी का जवाब है, जिसने अन्तर्राष्ट्रीय बाज़ार में उथल-पुथल मचा दी है और कई देशों की चिंताएं बढ़ा दी थी, जिसमें अमेरिका के मित्र देश भी शामिल हैं। अमेरिकन नीति का साइड इफैक्ट कम करने के लिए भारत सक्रिय कदम उठा रहा है।

अमेरिका के असिस्टैंट यूएस ट्रेड रिप्रज़ेन्टेटिव ब्रैंडन लिंच के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल वार्ता के लिए भारत आया था। चर्चा में एक न्यायोचित फ्रेमवर्क तैयार करने की बात की गई ताकि दोनों देशों में द्विपक्षीय ट्रेड एग्रीमैंट हो सके। यात्रा में बताया गया कि दोनों देश व्यापारिक विवाद हल करने व आर्थिक सहयोग सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन बातों का आधार 2025 के अंत तक ट्रेड एग्रीमैंट को अंतिम रूप देना था और आपसी व्यापार 200 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक करना था। टैरिफ कटौती और बाज़ार तक पहुँच, खासकर कृषि व औद्योगिक उत्पाद के क्षेत्र में, पर चर्चा की गई।

घरेलू निर्माण को प्रोत्साहन देने व निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के लिए भारत ने इलैक्ट्रिक वाहन बैटरियों व मोबाइल फोन बनाने के लिए आवश्यक वस्तुओं पर आयात शुल्क हटाने की घोषणा की है। यह निर्णय अमेरिकी टैरिफ का सामना कर रहे घरेलु उत्पादकों को मदद देने के लिए है।

इसके अलावा भारत की एक संसदीय समिति ने सरकार को आयातित कच्चे माल पर टैरिफ घटाने का सुझाव दिया। इस सिफारिश का उद्देश्य घरेलू निर्माताओं को कर प्रणाली के बदलाव से राहत है, जहाँ कच्चे माल पर टैक्स तैयार उत्पाद से अधिक होता है और इससे घरेलू उत्पादकों को नुकसान हो सकता है।

सरकारी विश्लेषण से पता चलता है कि अमेरिकन टैरिफ के नए प्रस्ताव से भारत से हो रहे अमेरिकी निर्यात का 87 प्रतिशत प्रभावित हो सकता है। इस गिरावट को रोकने के लिए भारत 55 प्रतिशत अमेरिकन आयात से 5 से 30 प्रतिशत तक शुल्क कटौती कर सकता है और कई उत्पादों पर तो टैक्स में भारी कटौती हो सकती है और कुछ को पूरी तरह से खत्म किया जा सकता है। हालांकि प्रस्ताव पर अभी चर्चा ही चल रही है। अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। वैकल्पिक उपयोग पर भी चर्चा चल रही है जिसमें सैक्टर के आधार पर टैरिफ का समायोजन और विशिष्ट उत्पादों पर चयनात्मक कटौती शामिल है।

चर्चा में सबसे महत्वपूर्ण मसला कृषि है। दोनों देश इस क्षेत्र में सहयोग की बात स्वीकार करते है लेकिन हितों के बीच जो खाई है उसे पाटना कठिन हो रहा है। भारत के नीति निर्माताओं पर आयातित कच्चे माल पर टैरिफ कम करने का दबाव है।

भारत के व्यापान निकायो में आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए अपने सुझाव दिए हैं। फैडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गजाइज़ेशन ने परिधान, इलैक्ट्रॉनिक्स खिलौने, फुटवियर और बायोकैमिकल्स पर जोर दिया है।

संगठन के महानिदेशक अजय सहाय ने सरकार से मांग की है कि अमेरिकन व्यापार प्रदर्शनियों में भारतीयों की सक्रिय भागीदारी के लिए मदद देने की मांग की है।

भारत के इंजीनियरिंग क्षेत्र के लिए स्टील और एल्युमिनियम पर अमेरिकन टैरिफ चिंता का विषय है। इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट प्रमोशन काउन्सिल ने सरकार से अमेरिकन सामानों जैसे स्टील स्क्रैप, नहर, कॉस्टिंग्स और फॉर्जिंग पर टैक्स घटाने की मांग की है।

आगे का रास्ता चुनौतियों से भरा है, क्या यह समय भारत-अमेरिका के व्यापारिक संबंधों में नया मोड़ साबित होगा या प्रगति को अवरूद्ध कर देगा। जैसे-जैसे समय करीब आ रहा है, दोनों देशों को निर्णय लेना होगा कि समझौते का रास्ता चुने या आर्थिक टकराव का जोखिम उठाएं।

'किसान सिर्फ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसीलिए हम किसानों को 2027 तक दिन में बिजली देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर किसान उत्पादन संगठन मार्गदर्शिका का विमोचन किया तथा लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान, सफल एफपीओ पर लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय किसान उत्पादक संगठन मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी. आर. चौधरी, विधायक सिद्धि कुमारी, डॉ. विश्वनाथ मेघवाल, ताराचन्द सारस्वत, अंशुमान सिंह भाटी, जेठानंद व्यास सहित बड़ी संख्या में किसान एवं आमजन उपस्थित थे।

उपमुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिला पुलिस और लाइन का जाब्ता जयपुर सेंट्रल जेल पहुंचा तथा जेल विभाग को सूचना देकर सर्च शुरू कर दी।

सदा से वित्तीय संयम का पाठ पढ़ाने वाले अमीर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकासशील देशों के सार्वजनिक कर्ज़ प्रोफाइल पर नज़र डालते हैं तो हम उभरते बाज़ारों और विकसित देशों के कर्ज़ प्रोफाइल में विशाल अंतर देखते हैं।

ओ.ई.सी.डी. देशों में जारी किए गए संप्रभु कर्ज़ का 2025 में 17 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2023 में 14 ट्रिलियन डॉलर था। उभरते बाज़ारों और विकासशील देशों का कर्ज़ आंकड़ा भी काफी बढ़ा है, लेकिन यह अमीर देशों के मुकाबले काफी कम है, जो 2007 में लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर था और 2024 में 3 ट्रिलियन से अधिक होने का अनुमान है।

सरकारी कर्ज़ का एक पहलू, जो सामान्यतः कम सराहा जाता है, यह है कि सरकारी कर्ज़ को भुगतान के माध्यम से शायद ही कभी समाप्त किया जाता है। यह बस रीसाइकिल होते रहते हैं, अर्थात् मैच्योर हो चुके पुराने कर्ज़ को नए कर्ज़ से चुकाया जाता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि आप पुराने कर्ज़ को कैसे रीप्लेस कर रहे हैं।

यदि ब्याज दरों में वृद्धि हो रही है, तो नए कर्ज़ उच्च ब्याज दरों पर लिए जाएंगे और इस प्रकार उधारी की कुल लागत बढ़ जाएगी, क्योंकि ब्याज का बोझ भी बढ़ेगा।

वैश्विक वित्तीय बाज़ार वर्तमान में ट्रंप के हंगामों के कारण हचलच में हैं। व्यापार और आर्थिक नीतियों को लेकर अमेरिका की नीतियों में होने वाले बदलाव उलझन पैदा कर रहे हैं। शेयर बाजारों में व्यापक उतार-चढ़ाव हो रहा है और निवेशकों का पैसा स्टॉक्स से बॉण्ड्स की ओर जा रहा है। अमेरिका के लिए आर्थिक मंदी की भविष्यवाणी की जा रही है और खुद ट्रंप ने भी ऐसी संभावना को स्वीकार किया है।

मंदी की कोई भी बात और निवेशकों का पैसा स्टॉक्स से बॉण्ड्स में जाने के कारण ब्याज दरों में गिरावट होती है। अफवाहें फैल रही हैं कि अमेरिका को 17 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज़ मैच्योर होने वाले हैं। यह कोई छोटी रकम नहीं हैं। आने वाले दिनों में ब्याज दरों में मामूली कमी अमेरिकी संघीय सरकार को अपने विशाल बकाया कर्ज़ को रीसाइकिल करने की ब्याज लागत को बचाने में मदद कर सकती है। इसलिए, ट्रंप के हंगामे इस लक्ष्य को प्राप्त करने के तरीके थे, ताकि कर्ज़ रीसाइकलिंग पर ब्याज का बोझ कम किया जा सके।

वैसे भी, जो भी हो, दुनिया कर्ज़ पुनर्संरचना के एक विशाल कार्य का सामना कर रही है। ओ.ई.सी.डी. रिपोर्ट में कहा है कि "आगे देखते हुए, कुल संप्रभु कर्ज़ का 42 प्रतिशत और सभी बकाया कॉर्पोरेट बॉन्ड कर्ज़ का 38 प्रतिशत अगले तीन वर्षों में मैच्योर होने वाला है।"

रिपोर्ट यह भी बताती है कि ओ.ई.सी.डी. देशों के लिए रीफायनैंस लागत 2024 में जी.डी.पी. का 3 प्रतिशत बढ़ गई है, जिससे कुल कर्ज़ भुगतान से जी.डी.पी. का अनुपात 3.3 प्रतिशत से अधिक हो गया है। यह कम से कम एक प्रतिशत अधिक है, जितना वे रक्षा पर खर्च करते हैं। अमेरिका के नए रणनीतिक रुख को देखते हुए, इन देशों के लिए इस प्रवृत्ति को पलटना अनिवार्य होगा।

सरकारी बॉन्डस के खरीददारों के प्रोफाइल में कुछ बदलाव दिख रहा है, जिसमें घरेलू स्रोतों से विदेशी संस्थागत निवेशकों और अन्य की ओर जाना कर्ज़ भुगतान समस्याओं के स्थायी जोखिम को बढ़ा रहा है।

ओ.ई.सी.डी. रिपोर्ट के अनुसार, ओ.ई.सी.डी. देशों में, केन्द्रीय बैंकों द्वारा घरेलू संप्रभु बॉन्ड्स का स्वामित्व 2021 में कुल बकाया कर्ज़ का 29 प्रतिशत था, जो 2024 में घटकर 19 प्रतिशत हो गया, जबकि घरेलू परिवारों का हिस्सा 5 प्रतिशत से बढ़कर 11 प्रतिशत और विदेशी निवेशकों का हिस्सा 29 प्रतिशत से बढ़कर 34 प्रतिशत हो गया है।

आइए, हम भारत के कर्ज़ प्रोफाइल और बाहरी झटकों के प्रति हमारी संवेदनशीलता पर एक नज़र डालते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था पर किया गया नवीनतम "आर्टिकल 4 कन्सल्टेशन्स" से संबंधित कुछ पहलुओं की जानकारी मिलती है।

बाहरी कर्ज़ का जी.डी.पी. के प्रतिशत के रुप में हिस्सा 18.9 प्रतिशत है और यह 2025-26 में घटकर 18.6 प्रतिशत होने का अनुमान है। इसमें से शॉर्ट टर्म कर्ज़ केवल 8.3 प्रतिशत है, जिसे संवेदनशीलता का एक मानक माना जाता है, क्योंकि यह तत्काल भुगतान के बोझ को दर्शाता है।

कुल मिलाकर, कर्ज़ प्रोफाइल समय के साथ सुधर रहा है, क्योंकि फिस्कल कन्सॉलिडेशन पर लगातार जोर दिया जा रहा है और गवरमैंट फायनैंसेज़ में संतुलन प्राप्त किया जा रहा है। निस्संदेह, अर्थव्यवस्था की स्थिति में उत्साह, जिसका संकेत बढ़ते कर संग्रह से मिलता है, ने इन लक्ष्यों को हासिल करने में मदद की है। आखिरकार, बढ़ती लहर सभी नावों को ऊपर उठाती है, सरकार को भी और व्यक्ति को भी।

राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के स्वीकृत पदों की संख्या 50 है। ऐसे में स्वीकृत पदों के मुकाबले अभी भी न्यायाधीशों के 12 पद खाली हैं।

न्यायालय कुछ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

...न्याय में आस्था रखने वालों को न्याय मिलेगा। लेकिन जो लोग कानून को अपने हाथों में लेने की कोशिश करेंगे, उन्हें कानून की सीमा के अंदर सबक सिखाया जायेगा। कोई भी बात ऐसी भाषा में ही समझाई जानी चाहिये, जिसे लोग समझते हों। अगर कोई व्यक्ति हमारे पास हिंसक वृत्ति के साथ आता है, तो क्या हम निकम्मे बने खड़े रहें?"

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600